मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, बुधवार, 16 जुलाई 2025
संवत 2082, श्रावण कृष्ण 6 संवत मूल्य 2 रुपये
वर्ष-8, अंक 312 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ ऐसी पढ़ाई में है सारे बच्चों की भलाई
फिल्म भूल चूक माफ रिलीज के विवाद का वामिका पर नहीं पड़ा फर्क ◂◂ 6

बोकारो मुठभेड़ः 25 लाख का इनामी कुंवर मांझी सहित दो नक्सली ढेर

कोबरा बटालियन का एक जवान शहीद

संवाददाता

बोकारोः बोकारो जिले के गोमिया के जागेश्वर विहार थाना अंतर्गत बिरहोरडेरा के जंगल में आज बुधवार की सुबह पुलिस और भाकपा माओवादी संगठन के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 25 लाख के इनामी नक्सली कुंवर मांझी सहित दो नक्सलियों को मार गिराया है। मुठभेड़ में कोबरा 209 बटालियन का एक जवान भी गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के लिए अस्पताल ले जाने के क्रम में जवान शहीद हो गये। दोनों नक्सलियों के शव को सुरक्षा बल ने बरामद कर लिया हैं। मुठभेड़ में मारे गए एक नक्सली की पहचान झारखंड के कुख्यात हार्डकोर नक्सली 25 लाख का इनामी कुंवर मांझी के रूप में हुई है। घायलों एवं मृतक के शवों को ले जाने के लिए बीएसएफ का हेलिकॉप्टर स्वांग एयरपोर्ट पर उतरा है।

सुबह 5 बजे हुआ सुरक्षा बल और नक्सलियों का आमना -सामना : बोकारो एसपी हरविंदर सिंह को इंटेलिजेंस इनपुट के माध्यम से सूचना मिली थी कि क्षेत्र में नक्सलियों की मूवमेंट हो रही है। खुफिया सूचना पर पुलिस ने गुरुवार के अगले सुबह बिरहोरडेरा के जंगली क्षेत्र में सर्च अभियान शुरू किया। सुबह लगभग 5 बजे सुरक्षा बल और नक्सलियों का आमना -सामना हुआ। इसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गयी।

एके-47 राइफल बरामद, सर्च अभियान जारी : मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने दो नक्सलियों को मार गिराया है। सर्च अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने दोनों मृतक नक्सलियों के शव को बरामद कर लिया है। इनमें से एक नक्सली वर्दी में था, जबकि दूसरा सामान्य कपड़ों में था। घटनास्थल से एक एके-47 राइफल भी बरामद की गई है। इलाके में नक्सलियों के खिलाफ सर्च अभियान अभी भी जारी है। पुलिस सर्च अभियान चला कर अन्य नक्सलियों की तलाश कर रही है।

बाबा धाम में कांवरियों की लंबी लाइन, कतार में लगकर श्रद्धालु कर रहे जलाभिषेक

देवघरः बाबा धाम में श्रावणी मेला की शुरूआत होने के बाद प्रतिदिन लोगों की भीड़ देखने को मिल रही है। सोमवार को करीब ढाई लाख से तीन लाख लोगों ने जलाभिषेक किया। वहीं, मंगलवार को करीब एक लाख तीस हजार श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के शिवलिंग पर जल चढ़ाया। आज भी मंदिर में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिल रही है।

सुबह चार बजे से खोल दिया गया था मंदिर का पट : मंदिर में आए श्रद्धालुओं ने कहा कि रात भर रिमझिम बारिश के कारण सुबह में श्रद्धालुओं को ठंडक महसूस हो रही है। इसलिए श्रद्धालु आराम से जलाभिषेक करने के लिए लाइन में खड़े हैं। श्रद्धालुओं ने कहा कि यदि इस तरह का मौसम रहा तो भीड़ से भी कोई परेशानी उत्पन्न नहीं होगी।

इधर, सुबह 4 बजे से ही भगवान भोलेनाथ पर जलाभिषेक करने के लिए पट खोल दिया गया था। जो लोग लाइन में लगे हुए थे, वह अरघा प्रणाली के माध्यम से सुबह से ही जलाभिषेक कर रहे हैं। बुधवार को हो रही पूजा को लेकर बाबा मंदिर के पुजारी संजय कुमार ने कहा कि बुधवार को षष्ठी पड़ा है और षष्ठी को भगवान भोलेनाथ की ज्योतिर्लिंग पर जल चढ़ाने से महादेव के साथ-साथ माता पार्वती भी खुश होती हैं।

105 किलोमीटर की दूरी तय कर कांवरिया पहुंच रहे है देवघर : बता दें कि 11 जुलाई से सावन मेले की शुरूआत हुई है। तब से लेकर अभी तक देवघर में लाखों श्रद्धालुओं ने भगवान भोले के ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक किया है। सुल्तानगंज से देवघर तक प्रतिदिन श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु सुल्तानगंज से जल भरते हैं और 105 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद भगवान भोलेनाथ को चढ़ाते हैं।

बिहार के सुल्तानगंज से जल उठाने के बाद सबसे पहले झारखंड के दुम्मा बॉर्डर में श्रद्धालु प्रवेश करते हैं। जहां देवघर जिला प्रशासन के द्वारा श्रद्धालुओं की व्यवस्था में जुटी रहती है। जिला प्रशासन की तरफ से जो रूट लाइन बनाए गए हैं, उसी रूट से सारे श्रद्धालु बाबा धाम पहुंचते हैं। रूट लाइन से जाने वाले श्रद्धालुओं के कारण शहर में लंबी कतारें लग जाती हैं, लेकिन जिला प्रशासन द्वारा की गई बेहतरीन व्यवस्था के कारण स्थानीय लोगों को लंबी कतारों के बाद भी कोई परेशानी नहीं होती।

महीने के अंत में फार्मास्यूटिकल्स पर हाई टैरिफ लग सकते हैं डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनकी सरकार महीने के अंत तक फार्मास्यूटिकल्स इंपोर्ट्स पर टैरिफ लगाना शुरू कर सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि सेमीकंडक्टर्स पर शुल्क लगाने की समयसीमा भी फार्मास्यूटिकल्स की तरह ही हो सकती है। 'योनहाप समाचार एजेंसी' की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने संकेत दिया कि उनकी सरकार फार्मास्यूटिकल्स पर टैरिफ को धीरे-धीरे लागू करेगी, ताकि कंपनियों को अमेरिका में अपनी प्रोडक्शन फैसिलिटी स्थापित करने के लिए समय मिल सके।

पिट्सबर्ग में एक सार्वजनिक कार्यक्रम से लौटने के बाद प्रेस से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा, संभवतः महीने भर में, हम कम टैरिफ से शुरूआत करेंगे और फार्मास्युटिकल कंपनियों को निर्माण के लिए लगभग एक साल का समय देंगे। उसके बाद हम इस पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाएंगे।

ट्रंप ने यह भी कहा कि सेमीकंडक्टर्स पर टैरिफ लागू करने की समय सीमा मिलती-जुलती है। चिप्स पर शुल्क लगाना 'कम जटिल' है।

पिछले हफ्ते, वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने कहा था कि ट्रंप प्रशासन इस महीने के अंत तक सेमीकंडक्टर और फार्मास्यूटिकल्स इंपोर्ट की राष्ट्रीय सुरक्षा जांच पूरी कर लेगा। यह संकेत है कि इन इंपोर्ट पर टैरिफ की घोषणाएं जल्द हो सकती हैं।

लुटनिक जिस जांच की बात कर रहे थे, वह उन्होंने अप्रैल में 1962 के 'ट्रेड एक्सपेंशन एक्ट' की धारा 232 के तहत शुरू की थी। इस कानून के तहत, अगर राष्ट्रपति यह तय करते हैं कि किसी आयात से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है, तो उन्हें उस इंपोर्ट को नियंत्रित करने या समायोजित करने का अधिकार प्राप्त होता है।

इस महीने की शुरूआत में एक कैबिनेट बैठक में, ट्रंप ने कहा था कि वह आगामी हफ्तों में कॉपर पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की योजना बना रहे हैं। कंपनियों को अपनी मैन्युफैक्चरिंग अमेरिका वापस लाने के लिए एक साल का समय देने के बाद, फार्मास्यूटिकल्स टैरिफ में 200 प्रतिशत तक के इजाफे की उम्मीद है।

ट्रंप पहले ही 1962 के 'ट्रेड एक्सपेंशन एक्ट' की धारा 232 के तहत ड्रग्स पर जांच की घोषणा कर चुके हैं। उनका तर्क है कि विदेशी इंपोर्ट की बाढ़ राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन रही है।

स्वर्ण मंदिर को उड़ाने की फिर मिली धमकी

नई दिल्लीः सिखों के पवित्र तीर्थ स्थल स्वर्ण मंदिर को लगातार तीसरे दिन उड़ाने की धमकी मिली है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ईमेल पर यह धमकी आई है। इसमें कहा गया है कि पाइपों में आरडीएक्स भरकर गोल्डन टेंपल में धमाके किए जाएंगे। तीसरी बार धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया है। गोल्डन टेंपल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और डॉग स्क्वायड तैनात कर दिया गया है। बीएसएफ और पुलिस कमांडो तैनात किए गए हैं। इससे पहले सोमवार और मंगलवार को भी मेल भेजकर गोल्डन टेंपल को उड़ाने की धमकी दी गई थी। पहले ही दिन पुलिस ने केस दर्ज कर लिया था। फिलहाल यह जानकारी नहीं मिल पाई है कि ये धमकियां कौन भेज रहा है।

गोल्डन टेंपल के आस-पास सुरक्षा पहले से भी ज्यादा कड़ी कर दी गई है। गोल्डन टेंपल के आने-जाने वाले हर एक रास्ते को सील कर दिया है और हर श्रद्धालु पर नजर रखी जा रही है और अच्छे से चेकिंग भी की जा रही है। एसजीपीसी सचिव प्रताप सिंह ने कहा कि कुछ शरारती तत्वों की तरफ से धमकी दी गई है। वे सिर्फ गोल्डन टेंपल की बात नहीं करते, वे सभी धर्मों के धार्मिक स्थानों को उड़ाने की बात भी कर रहे हैं। उनका कोई धर्म नहीं होता। ये लोगों में डर की भावना पैदा करने के लिए ऐसा करते हैं। सरकारों और पुलिस को ऐसे लोगों को पकड़ कर उन्हें कड़ी सजा देनी चाहिए। ये धर्म से तोड़ने की और एकता को खंडित करने की साजिश है।

एसजीपीसी ने मुख्यमंत्री भगवंत मान को पत्र लिखा : शिरोमणि कमेटी के सचिव प्रताप सिंह ने इस पर कार्रवाई करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान को पत्र लिखा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को इसकी तुरंत जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए लिखा है। इस मामले पर एसजीपीसी के प्रधान हरजिंदर सिंह धामी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई और कहा कि 14 जुलाई से लगातार एसजीपीसी को धमकी भरी ईमेल आ रही हैं। मामले में पुलिस को शामिल किया गया, जिससे पता चल सके कि उक्त घटना के पीछे कौन है। 15 जुलाई को दूसरी ईमेल केरल के सीएम और पूर्व चीफ जस्टिस की फेक आईडी से भेजी गई थी। आज सुबह आसिफ कपूर नाम के ईमेल एड्रेस से ईमेल आई। ये ईमेल सीएम भगवंत मान को भी भेजी गई।

'लंबे समय से किया जा रहा टारगेट, कुछ लोगों को अच्छे नहीं रहे गुरुओं के उपदेश' : लंबे समय से हमारे आस्था के केंद्र गोल्डन टेंपल को टारगेट किया जा रहा। 1984 में श्री दरबार साहिब का बहुत नुकसान हुआ था। गुरुओं द्वारा दिए गए उपदेश कुछ लोगों को अच्छे नहीं लग रहे। धामी ने कहा कि अगर सांसदों और मुख्यमंत्रियों को ऐसे ईमेल भेजे गए तो सरकार ने इस पर अभी तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की। सिख संगत का यह केंद्रीय संस्थान है और ऐसी आस्था के केंद्र की सुरक्षा कैसे दांव पर लगाई जा सकती है। कहीं दरबार साहिब में संगत के आवागमन को कम करने की कोई कोशिश तो नहीं हो रही है, इसकी जांच होनी चाहिए।

निमिषा पर फिर सजा-ए-मौत की तलवार

नई दिल्ली : यमन में सजा-ए-मौत का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया के लिए राहत का वक्त कुछ घंटे ही रहा। अब तलाल आबदो मेहदी के परिवार ने फिर से साफ कर दिया है कि वे ब्लड मनी स्वीकार नहीं करेंगे। तलाल आबदो मेहदी पर आरोप है कि उसने निमिषा प्रिया का उत्पीड़न किया था और उसका पासपोर्ट रख लिया था। उसे हासिल करने के लिए ही निमिषा ने उसे ड्रग्स दिया था और उसकी ओवरडोज से वह मर गया था। इस मामले में निमिषा प्रिया को सजा-ए-मौत सुनाई गई है। उन्हें आज यानी 16 जुलाई के दिन सजा मिलनी थी, लेकिन केरल के ग्रैंड मुफ्ती अबू बकर मुसलियार के दखल से इसे टाल दिया गया था। कहा गया कि निमिषा प्रिया के वकील और परिजनों को वक्त दिया जाएगा कि वे तलाल के परिवार को ब्लड मनी के लिए राजी कर लें। लेकिन ऐसा होता मुश्किल दिख रहा है। तलाल के भाई का कहना है कि वे ब्लड मनी स्वीकार नहीं करेंगे। तलाल के भाई अब्देलफतेह मेहदी ने कहा कि हमारे परिवार ने समझौते के सभी ऑफर खारिज कर दिए हैं। हम चाहते हैं कि भाई की कातिल को सजा-ए-मौत ही मिले। माफी के सवाल पर अब्देलफतेह मेहदी ने कहा कि यह बेहद गंभीर अपराध है और इसमें कोई माफी नहीं दी जा सकती। हम इस मामले में 'दीयत' यानी ब्लड मनी स्वीकार नहीं करेंगे।

ब्लड मनी पर डील के लिए टाली गई है सजा, पर बढ़ गई मुसीबत : यमन के कानून के अनुसार यदि मारे गए शख्स का परिवार आरोपी से मुआवजे के बदले माफी दे तो सजा खत्म की जा सकती है। अब्देलफतेह ने फेसबुक पर लिखी लंबी पोस्ट में कहा, 'आज क्या हो रहा है। मध्यस्थता और समझौते की बातें हो रही हैं। यह कोई नई बात नहीं है ना ही सरप्राइज वाली चीज है। इस साल फिर से कई बार समझौते की कोशिशें हुई हैं और ये नई नहीं हैं। हम पर काफी दबाव डाला गया है, लेकिन हमारी मांग में कोई बदलाव नहीं है। हम भी यही चाहते हैं कि उसे सजा-ए-मौत हो। फिलहाल सजा को टाल दिया गया है और हम इससे हैरान हैं। मध्यस्थता करने वाले समझ लें कि हम किसी भी तरह से समझौते के लिए तैयार नहीं हैं और ब्लड मनी स्वीकार नहीं है।'

तलाल का भाई बोला- खून का कोई सौदा नहीं होता : यही नहीं बेहद सख्त लहजे में तलाल आबदो मेहदी के भाई ने ब्लड मनी को खारिज कर दिया। अब्देलफतेह मेहदी ने लिखा, 'खून को खरीदा नहीं जा सकता। सजा को टाले जाने से हम नहीं रुकेंगे। किसी भी तरह के दबाव के आगे हम नहीं झुकेंगे। न्याय को भुलाया नहीं जा सकता। न्याय होगा और भले ही उसमें देर लगे। यह सिर्फ कुछ समय की बात है और अल्लाह हमारे साथ है।' बता दें कि सोमवार को भी अब्देलफतेह ने यही बात बीबीसी की अरबी सेवा से बातचीत के दौरान कही थी। उनका कहना है कि हम सिर्फ निमिषा की सजा-ए-मौत चाहते हैं।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा और लद्दाख को छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने और लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के तहत शामिल करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ संवैधानिक जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों की भी रक्षा का सवाल है।

राहुल गांधी ने पत्र में लिखा पिछले पाँच वर्षों से, जम्मू-कश्मीर के लोग लगातार पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की माँग कर रहे हैं। यह माँग जायज होने के साथ-साथ उनके संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकारों पर भी आधारित है। यह समझना जरूरी है कि जहाँ अतीत में केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य का दर्जा दिए जाने के उदाहरण रहे हैं, वहीं जम्मू-कश्मीर का मामला स्वतंत्र भारत में बेमिसाल है। यह पहली बार है जब किसी पूर्ण राज्य को उसके विभाजन के बाद केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिया गया है।

आपने स्वयं कई मौकों पर राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई है। 19 मई 2024 को भुवनेश्वर में दिए अपने साक्षात्कार में, आपने कहा थाः ₹राज्य का दर्जा बहाल करना हमारा एक गंभीर वादा है और हम इस पर कायम हैं।₹ 19 सितंबर 2024 को श्रीनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए, आपने फिर से कहाः ₹हमने संसद में कहा है कि हम इस क्षेत्र का राज्य का दर्जा बहाल करेंगे। इसके अलावा, केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 के मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष भी इसी तरह का आश्वासन दिया है, जिसमें कहा गया है कि राज्य का दर्जा ₹शीघ्र और यथाशीघ्र₹ बहाल किया जाएगा। उपरोक्त और उपर्युक्त बातों को ध्यान में रखते हुए, हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह संसद के आगामी मानसून सत्र में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए एक विधेयक प्रस्तुत करे। इसके अतिरिक्त, हम सरकार से अनुरोध करते हैं कि वह केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए एक विधेयक प्रस्तुत करे। यह लद्दाख के लोगों की सांस्कृतिक, विकासात्मक और राजनीतिक आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा, साथ ही उनके अधिकारों, भूमि और पहचान की रक्षा भी करेगा।

नीतीश कुमार ने दिए शिक्षक भर्ती के निर्देश, महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण

पटना : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की रिक्तियों को तुरंत भरने के लिए शिक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं। सीएम नीतीश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्होंने शिक्षा विभाग को कहा है कि सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की रिक्तियों की गणना तुरंत कर खाली पद पर नियुक्ति के लिए टीआरई-4 की परीक्षा का आयोजन शीघ्र कराया जाए। उन्होंने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीआरई-4) जल्द से जल्द आयोजित करने का आदेश दिया है ताकि रिक्त पदों पर नियुक्तियां की जा सकें। इसके साथ ही, उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षक भर्ती में 35 प्रतिशत आरक्षण का लाभ केवल बिहार की महिलाओं को दिया जाएगा। नीतीश कुमार ने कहा कि उनकी सरकार शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है और शिक्षक भर्ती इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बिहार सरकार ने पहले ही शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण की नीति लागू की है। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि यह आरक्षण केवल बिहार निवासी महिलाओं के लिए होगा, जिससे स्थानीय महिलाओं को रोजगार के अधिक अवसर मिल सकें। यह नीति महिलाओं के सशक्तिकरण और बिहार में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। पिछले कुछ वर्षों में बिहार सरकार ने शिक्षक भर्ती के लिए कई चरणों में टीआरई परीक्षाएं आयोजित की हैं। इन भर्तियों के जरिए लाखों शिक्षकों को सरकारी स्कूलों में नियुक्त किया गया है। हालांकि, अभी भी कई स्कूलों में शिक्षकों की कमी है, जिसे पूरा करने के लिए टीआरई-4 परीक्षा की तैयारी शुरू की गई है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि टीआरई-4 परीक्षा की तारीख और अन्य विवरणों की घोषणा जल्द की जाएगी। इस भर्ती से हजारों युवाओं, खासकर महिलाओं को रोजगार मिलने की उम्मीद है।

9 दिनों के लिए बढ़ा मॉनसून सत्र, सरकार ला रही ये 8 विधेयक, इनकम टैक्स बिल भी शामिल

नई दिल्ली : केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार आगामी मॉनसून सत्र में कुल 8 नए विधेयक पेश करने और पारित कराने की तैयारी में है। यह सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर अब 19 अगस्त तक चलेगा। पहले संसद 12 अगस्त तक ही चलने वाली थी, जिसे बाद में एक सप्ताह के लिए बढ़ा दिया गया है। लोकसभा सचिवालय ने जिन प्रमुख विधेयकों की जानकारी दी है उनमें टैक्स, शिक्षा, खेल, और खनिज नीति जैसे क्षेत्रों से जुड़े विधेयक शामिल हैं। लोकसभा में मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025, जन विश्वास (संशोधन) विधेयक, 2025, भारतीय प्रबंध संस्थान (संशोधन) विधेयक, 2025, कराधान कानून (संशोधन) विधेयक, 2025, भू-धरोहर स्थल और भू-अवशेष (संरक्षण और रख-रखाव) विधेयक, 2025, खनिज और खान (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2025, राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग-रोधी विधेयक (संशोधन), 2025 विधेयक पेश किए जाने की संभावना है।

न्यूज IN ब्रीफ

पेंडिंग आवास का स्थल निरीक्षण कर जिओ टैग कर राशि भुगतान कर पूर्ण करने का निर्देश

गिद्धौर(चतरा): प्रखंड कार्यालय कक्ष में बीडीओ राहुल देव ने प्रखंड कर्मियों के साथ मंगलवार को समीक्षा बैठक किया।बीडीओ ने आवास निर्माण कार्य में तेजी लाने का निर्देश संबंधित पंचायत सेवक को दिया।साथ ही पेंडिंग आवास का स्थल का निरीक्षण कर जिओ टैग कर राशि का भुगतान कर पूर्ण करने का निर्देश दिया।बीडीओ ने मनरेगा योजना से संचालित बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत प्रत्येक पंचायत में चयनित आमबागवानी में पौधा लगाने का निर्देश दिया। 15 वें वित्त योजना की समीक्षा कर संचालित योजनाओं में कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया।बैठक में सहायक अभियंता आनंद पांडेय,बीपीओ बिनोद कुमार गुप्ता,पंचायत सचिव दिगम्बर पांडेय,उज्वल सिंह,प्रियंका प्रिया,रोजगार सेवक निर्मल कुमार दांगी,सतेंद्र कुमार वर्मा,प्रदीप कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

उपायुक्त ने जनता दरबार में आमजनों की समस्याओं का किया त्वरित समाधान

चतरा : जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के लिए जनता दरबार की नियमित व्यवस्था की गई है। इसी क्रम में दिनांक 15 जुलाई (मंगलवार) को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से बड़ी संख्या में आम नागरिक पहुंचे और अपनी व्यक्तिगत एवं सामुदायिक समस्याओं से संबंधित आवेदन उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत किए।उपायुक्त ने सभी आवेदनों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि जनता को उनकी समस्याओं का समाधान निकटतम और सुलभ स्तर पर मिल सके।जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि विवाद, दाखिल-खारिज और म्यूटेशन से जुड़ी समस्याएं, राशन कार्ड निर्गमन, नाम व विवरण सुधार तथा राशन वितरण में गड़बड़ी, पेंशन योजनाओं (वृद्धा, विधवा, दिव्यांग) से संबंधित लंबित मामलों का समाधान, प्रधानमंत्री आवास योजना में नामांकन एवं भुगतान में देरी, स्वास्थ्य सेवा, इलाज, रेफरल और अस्पतालों में उपस्थिति से जुड़ी शिकायतें, आय, जाति एवं आवासीय प्रमाण-पत्र से संबंधित आवेदनों पर विलंब, जल, सड़क, शौचालय जैसे बुनियादी सुविधाओं से जुड़े सामुदायिक मुद्दे समेत अन्य मामले शामिल है।उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी ने कुछ गंभीर मामलों का मौके पर ही समाधान किया तथा अन्य मामलों को संबंधित विभागों को अग्रसारित करते हुए समयबद्ध कार्रवाई की निगरानी करने का निर्देश दिया।उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक प्राप्त आवेदन का समाधान व लंबित आवेदनों के कारण सहित की क्रमवार समीक्षा की जाएगी। ताकि पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनी रहे। जनता दरबार के दौरान जिला क्रीड़ा पदाधिकारी सह जनशिकायत कोषांग के नोडल पदाधिकारी तुषार रॉय भी उपस्थित रहे। उन्होंने विभिन्न आवेदनों को विधिवत दर्ज करते हुए आवश्यक संकलन एवं कार्यवाही प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित किया।

जनता दरबार का नियमित आयोजन : यह उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:30 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक समाहरणालय परिसर में नियमित रूप से जनता दरबार का आयोजन किया जाता है। इस व्यवस्था का उद्देश्य है कि जिले के सभी वर्गों के लोगों को एक सीधे और सरल मंच मिले, जहाँ वे अपनी समस्या उपायुक्त स्तर पर रख सकें एवं उसका समाधान पा सकें।उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी ने जनता दरबार में उपस्थित सभी नागरिकों को आश्वस्त किया किः ह्लप्रशासन जनता की सेवा और कल्याण हेतु प्रतिबद्ध है। जनता दरबार एक प्रभावी माध्यम है जहाँ हम आम नागरिकों की वास्तविक समस्याओं को सुनते हैं और समाधान सुनिश्चित करते हैं। मैं सभी विभागीय अधिकारियों से अपेक्षा करती हूं कि वे प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लें और समय पर निस्तारण करें।ह्व

जिला प्रशासन की अपील : जिला प्रशासन, चतरा के सभी नागरिकों से अपील करता है कि वे अपनी समस्या के समाधान हेतु तय तिथि को जनता दरबार में भाग लें तथा शासन से सीधे संवाद स्थापित करें। यह पहल शासन और आमजन के बीच विश्वास, संवाद एवं समाधान की नींव को और सशक्त बनाएगी।

चतरा के गर्ल्स स्कूल में हिजाब पर हंगामा, प्रशासन को संभालना पड़ा मोर्चा

चतरा : शहर के मारवाड़ी मोहल्ला में संचालित प्लस टू गर्ल्स स्कूल में मंगलवार को हिजाब को लेकर पुरे दिन हाइ वोल्टेज हंगामा हुआ। स्कूल की दसवीं ए की छात्राएं नरगिस, ताइबा, सदब सिद्धकी, तसमिया नाज, शिफत अली, शाहीन परवीन, मुस्कान व फातिमा अंजर ने स्कूल की प्रिंसपल नीतू प्रजापति, शिक्षिका पल्लवी, सीमा, कीरण व शिक्षक रविंद्र कुमार पर हिजाब पहन कर स्कूल आने पर मारपीट करने का आरोप लगाया। छात्राओं ने ना सिर्फ मारपीट करने का आरोप लगाया बल्कि स्कूल से निकल कर इलाज कराने सदर अस्पताल पहुंच गई। स्कूल में छात्राओं के साथ मारपीट होने व इलाज के लिए अस्पताल पहुंचने की खबर शहर में आग की तरह फैल गई। देखते ही देखते एक हजार से अधिक मुस्लिम समाज के लोग सदर अस्पताल में पहुंच कर हंगामा करने लगे। सदर अस्पताल प्रबंधन ने इसकी सूचना सदर थाना पुलिस को दिया। सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार मौके पर पहुंचे और सदर अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम व जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा को घटना की जानकारी दिया।

निजी स्कूलों की मनमानी पर डीसी सख्त

बीपीएल बच्चों के दाखिले में गड़बड़ी पर दी सख्त हिदायत

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची में शिक्षा के अधिकार कानून के तहत गरीब और वंचित बच्चों को मुफ्त शिक्षा दिलाने की दिशा में जिला प्रशासन लगातार प्रयासरत है। लेकिन निजी स्कूलों की मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही है. जिला प्रशासन द्वारा बार-बार दिशा-निर्देश जारी करने के बावजूद कई स्कूल प्रबंधन अपनी मनचाही शर्तें थोप रहे हैं। जिससे अभिभावकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बीपीएल श्रेणी के लिए 121 निजी स्कूल चिन्हित : रांची प्रशासन द्वारा इस वर्ष रांची जिले के 121 निजी स्कूलों को चिन्हित किया गया था. जहां बीपीएल श्रेणी के बच्चों का नामांकन सुनिश्चित किया जाना था. लेकिन इनमें से केवल 91 स्कूलों में ही आवेदन की प्रक्रिया पूरी हो सकी। लॉटरी सिस्टम के माध्यम से कुल 672 बच्चों का चयन हुआ. जिनमें से 493 बच्चों का अब तक सफलतापूर्वक दाखिला किया जा चुका है।

इस प्रक्रिया में 116 बच्चों के फॉर्म या दस्तावेजों में कुछ त्रुटियां पाई गई, जिन्हें स्कूल प्रबंधकों द्वारा रिजेक्ट कर जिला शिक्षा कार्यालय को दोबारा वेरिफिकेशन के लिए भेजा गया है। इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने निजी स्कूलों के प्रबंधकों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान डीसी ने नामांकन को लेकर पारदर्शिता व संवेदनशीलता के साथ प्रक्रिया पूर्ण करने की सख्त हिदायत दी।

प्रतिष्ठित निजी स्कूल में नियमों की अनदेखी का मामला आया सामने : बैठक के दौरान रांची के एक प्रतिष्ठित निजी स्कूल से चौंकाने वाला मामला सामने आया है. बताया गया कि लॉटरी के जरिए बीपीएल श्रेणी के एक बच्चे का चयन अंतिम सूची में हो चुका था। अभिभावक ने नियमों के तहत सभी दस्तावेज जमा कर दिए थे और स्कूल की मांग पर यूनिफॉर्म, किताबें और अन्य आवश्यक सामग्री भी खरीद ली थी। लेकिन जब वह बच्चे को स्कूल भेजने लगे, तो उन्हें यह कहकर मना कर दिया गया कि उनका चयन रद्द कर दिया गया है.

स्कूल की इस मनमानी से परेशान अभिभावक ने जिला प्रशासन से शिकायत की. इस पूरे मामले की जानकारी मिलने पर उपायुक्त ने न सिर्फ तत्काल अभिभावक से बातचीत की, बल्कि उचित कार्रवाई का आश्वासन भी दिया. डीसी ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की गैर जिम्मेदाराना हरकत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीसी ने कहा कि अगर कोई निजी स्कूल नियमों का उल्लंघन करता है तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन सख्त, फिर भी स्कूलों की मनमानी : इस मामले ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या शिक्षा का अधिकार कानून वास्तव में उन जरूरतमंद बच्चों तक पहुंच पा रहा है, जिनके लिए यह बना है. सरकारी कोशिशों और निगरानी के बावजूद अगर प्रतिष्ठित स्कूलों में भी नियमों की अनदेखी होती है, तो यह गरीबों के अधिकारों का सीधा उल्लंघन है. प्रशासन का कहना है कि सभी निजी स्कूलों को पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से दाखिले की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

जोगिडीह अंजनीटांड स्कूल मार्ग कीचड़ युक्त

बच्चों को कीचड़ से होकर जाना पड़ता है विद्यालय

संवाददाता

चतरा : जिले के प्रतापपुर प्रखंड के जोगिडीह पंचायत के अन्तर्गत अंजनियाटांड स्कूल जाने वाले रास्ता पुरी तरह से कीचड़ में तब्दील हो गया है। सड़क पर एक फीट गढ्ढा बन गया है। बरसात के पानी उसी गढ्ढा में जमा रहता है। जमे पानी से हमेशा बदबू निकलती रहती है। जिससे पैदल आने-जाने में काफी परेशानी होती है। छोटे-छोटे स्कूली बच्चे जमें कीचड़ से होकर स्कूल जाते हैं। जिससे बच्चो का ड्रेस पुरी तरह से गंदा हो जाता है। वही बाईक कीचड़ मे फंस जा रहा है। अंजनियाटांड के ग्रामीणो ने बताया कि स्कूल जाने वाली कच्ची सड़क पुरी तरह से जर्जर हो गई है तथा बडे-बडे गढ्ढा हो गए हैं। उक्त गड्ढे में बरसात एवं इधर-उधर की पानी जमा रहता है।जिससे बच्चों को स्कूल जाने में काफी दिक्कत होती है। खासकर छोटे बच्चे को गोद में टांगकर स्कूल पहुंचाया जाता है साथ ही आसपास रहने वाले को काफी परेशानी होती है।सबसे ज्यादा परेशानी बीमार लोगो को होती है। उक्त मार्ग में कोई भी चार पहिया वाहन घर तक नही पहुंचती है। उसे टांगकर मुख्य सड़क तक लाना पड़ता है। हालांकि इस कच्ची सड़क में मिट्टी-मोरम डालकर मरम्मति किया गया है, लेकिन पानी के जमाव से मार्ग कीचड़ में तब्दील हो जाती है। इस परेशान को लेकर कई बार स्थानीय लोगो ने जनप्रतिनिधी के पास अपनी बात रखी है, लेकिन अभी तक पीसीसी पथ नही बनाया गया है।ग्रामीणों ने विधायक,सांसद व प्रशासन का ध्यान आकर्षण करते हुए सड़क को बनाने की मांग की है।

जिले के सभी अंचलों में विशेष राजस्व शिविर का आयोजन

संवाददाता

206

चतरा : राजस्व से संबंधित मामलों के त्वरित निष्पादन एवं आम नागरिकों को उनके द्वार पर ही सुलभ एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में चतरा जिला प्रशासन निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी के निदेर्शानुसार जिले के सभी 12 अंचलों में विशेष राजस्व शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।इन शिविरों का आयोजन दो चरणों में किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके और राजस्व मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।

शिविरों के आयोजन का उद्देश्य : आमजनों को उनके निकटतम अंचल में ही राजस्व से संबंधित सेवाएं प्रदान करना।दाखिल-खारिज, नामांतरण, बंटवारा, प्रमाण-पत्र निर्गमन जैसे मामलों का त्वरित एवं ऑन-स्पॉट निपटारा। जनता दरबार में प्राप्त लंबित राजस्व विषयक आवेदनों का समाधान। भूमि रिकार्ड से संबंधित त्रुटियों का सुधार।लोगों में राजस्व प्रक्रिया के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।

शिविरों की तिथि एवं स्थान : शिविर का संचालन प्रत्येक अंचल कार्यालय परिसर में पूर्वाह्न 10:00 बजे से किया जाएगा।

प्रथम चरण : 16 जुलाई 2025 से 18 जुलाई 2025 तक (3 दिन)अंचलः चतरा, गिद्धौर, कुंदा, लावालौंग, हंटरगंज, प्रतापपुर 21 जुलाई 2025 से 23 जुलाई 2025 तक (3 दिन) अंचलः सिमरिया, टंडवा, पत्थलगड़ा, कान्हाचट्टी, इटखोरी, मयूरहंड

द्वितीय चरण : 29 जुलाई 2025 से 30 जुलाई 2025 सभी अंचलों में एक साथ शिविर का आयोजन

शिविर की विशेषताएं : शिविर स्थल पर संबंधित अंचल अधिकारी एवं राजस्व कर्मचारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। प्रत्येक आवेदन को प्राथमिकता से लेकर त्वरित निपटारा किया जाएगा। दाखिल-खारिज, रसीद निर्गमन, भू-प्रमाण पत्र, आय/जाति/आवासीय प्रमाण पत्र, रसीद अद्यतन, नामांतरण, बंटवारा आदि से संबंधित सभी कार्य संपादित किए जाएंगे। जनता को ऑन-स्पॉट सेवा एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। शिविर की जीओ टैग फोटो एवं वीडियो जिला स्तर पर संकलित की जाएगी।

अंचल अधिकारियों हेतु निर्देश : उपायुक्त द्वारा निर्देशित किया गया है कि सभी अंचलाधिकारी अपने क्षेत्र में प्रचार-प्रसार के माध्यम से शिविर की सूचना अधिकतम लोगों तक पहुँचाना सुनिश्चित करें। पंचायत भवन, स्कूल, हाट-बाजार एवं सार्वजनिक स्थलों पर माइकिंग, पोस्टर-बैनर, जनप्रतिनिधियों की मदद से प्रचार-प्रसार किया जाए। शिविर के दौरान आने वाले आवेदनों की जीओ टैग फोटो/वीडियो संलग्न करते हुए जिला को प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाए।शिविर से संबंधित किसी भी जानकारी अथवा समस्या के लिए आमजन अपने संबंधित अंचल कार्यालय या शिविर में उपस्थित वरीय अधिकारी से सीधे संपर्क कर सकते हैं।जिला प्रशासन, चतरा आमजनों से अपील करता है कि वे निर्धारित तिथियों पर अपने नजदीकी अंचल कार्यालय में आयोजित विशेष राजस्व शिविर में भाग लें और अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त करें।

मूसलाधार बारिश बनी आफत गरीब परिवार का घर ध्वस्त

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड क्षेत्र के गेरुआ गांव में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से एक गरीब परिवार के लिए आफत बन गई है। इस भारी बारिश की वजह गेरुआ गांव का एक गरीब मजदूर का आशियाना (घर) पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। वही घर में रखे खाद्य पदार्थ भी बर्बाद हो गए है। जिससे परिवार के लोग बेघर हो गए हैं और उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ित सोनी देवी पति दिलीप ठाकुर ने बताया कि देर रात्रि घर के समीप ढाबा में सपरिवार सोए हुए थे तभी आचनक घर ध्वस्त हो गया। घर में अनाज,कपड़ा, सहित जरूरी कागजात भी दब गए जिससे उनके समक्ष भूखमरी का स्थिती उत्पन्न हो गई हैं। आगे कहा कि मेरे पति मजदूरी करते हैं ऐसे में निजी खर्च से आवास बना पाना मुश्किल है। अभी तक आवास भी नही मिल पाया है।उन्होंने जिला प्रशासन से तत्काल राहत शिविर, खाद्यान्न और रहने की वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की है। अब ऐसे में एक सवाल उठता है कि इस मूसलाधार बारिश में सैकड़ों कच्चा मकान (घर) ध्वस्त हो गया है, लेकिन प्रखण्ड प्रशासन के द्वारा सिर्फ प्राथमिक सूची की नियमावली की हवाला दिया जाता है। लेकिन इन गरीबों का क्या जिनका घर ध्वस्त हो गया और ओ आज तक सिर्फ अबुआ आवास और पीएम आवास की फार्म भरते रह गए। यह अखबार की कथन नहीं है बल्कि पीड़ित महिला की बयां है।

हिजाब पहनकर स्कूल आने पर बवाल

जाति उन्माद फैलाकर स्कूल की गरिमा धूमिल करने का प्रयास

एसडीओ की जांच में आरोप निकला निराधार

संवाददाता

चतरा : एक जाति विशेष की छात्राओं ने राज्य संपोषित प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक पर जाति पति करने का आरोप लगाया है। छात्राओं ने कहा कि प्रधानाध्यापिका के द्वारा हिजाब पहनकर आने पर न सिर्फ रोक लगाया गया बल्कि हिजाब पहनी हुई छात्राओं के साथ बुरी तरह मारपीट करने का भी आरोप लगा दिया। इधर छात्राओं को इलाज के लिए सदर अस्पताल भी ले आया गया। इधर सदर अस्पताल में कुछ छुटभैये नेताओं ने जमकर हंगामा किया। काफी देर तक माहौल को अशांत रखा। इधर अस्पताल में जांच के दौरान छात्राओं के शरीर पर मारपीट के कोई निशान नहीं पाए गए। छात्राओं ने स्कूल में हिन्दू मुश्लिम छात्राओं के लिए अलग अलग सेक्शन रखने का भी आरोप लगाया। मामले की गंभीरता को समझते हुवे एसडीओ जहूर आलम सदर अस्पताल पहुंचे वहां सबसे बातचीत करने के बाद वे विद्यालय पहुंचे। जांच के क्रम में मारपीट करने, हिन्दू मुस्लिम का सेक्शन अलग अलग करने सहित अन्य आरोपी निराधार पाए गए। जबकि हिजाब पहनने के मामले में प्रधानाध्यापिका ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि स्कूल का एक ड्रेस कोड है, यह सबके लिए लागू होता है। उन्होंने बताया कि हमने छात्राओं को हिजाब पहनकर आने से नहीं रोका, बल्कि घर से स्कूल आने के बाद हिजाब को उतार देने की बात कही। उन्होंने कहा कि चुकी स्कूल में सभी लड़कियां ही पढ़ती है, लड़के तो हैं नहीं परन्तु इनके द्वारा गलत आरोप लगाकर स्कूल की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया। एसडीओ जहूर आलम ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निमार्ता हैं और ये बच्चों के भविष्य का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय के एक एक शिक्षक पर 175 छात्राओं के भविष्य बनाने की जिमनेवारी है। ऐसे में शिक्षा के मंदिर में राजनीतिक से लोगों को बाज आने को कहा। उन्होंने कहा कि 21 वी सदी की ये लड़कियां हैं ये अभिभावक और शिक्षक से भी आगे निकल गयी है। उन्होंने कहा कि इनसे सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि ड्रेस सहित अन्य मामलों को लेकर वे जल्द स्कूल प्रबंधन समिति के साथ बैठक करने की बात कही।

मोबाइल छीनना बना सारे ड्रॉमे का कारण : हिजाब के नाम पर हंगामा का मुख्य कारण छात्राओं से मोबाइल छीनना बना। दरअसल में जिन छात्राओं ने अपने अभिभावकों को मिसगाइड कर ये प्रायोजित हंगामा करवाया उनमें से एक दो को अगर छोड़ दें तो सबके पास मोबाइल पकड़ा गया था। मोबाइल एक नहीं बल्कि करीब 3 दर्जन था। छात्राओं को फटकार लगाने के बाद एसडीओ ने दुबारा ऐसी गलती नहीं करने की चेतावनी देकर सबको मोबाइल लौटा दिए।

मेडिकल जांच में नहीं मिले कोई निशान : हिजाब पहनकर आने पर जिन छात्राओं ने शिक्षिका पर मारपीट करने का आरोप लगाया। और इतनी ज्यादा मारपीट क्या कर दी गई कि उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती होना पड़ गया। परन्तु अगर छात्राओं के साथ मारपीट हुई थी तो मेडिकल जांच में क्यों एक भी चोट के निशान नहीं पाए गए। अर्थात इससे स्पष्ट होता है कि कुछ असामाजिक तत्वों के द्वारा स्कूल को बदनाम करने की साजिश रची गई थी।

अगर हुई थी मारपीट तो डीसी से वहीं करती शिकायत : जब ये सारी घटनाएं घट रही कि तब चतरा डीसी कृति श्री जी उसी विद्यालय में मौजूद थी। तब छात्राओं के साथ साथ उनके हितैसी बनकर सदर अस्पताल में हंगामा करने वाले लोग वहीं डीसी मैडम से शिकायत क्यो नहीं किये। वहीं जिला शिक्षा पदाधिकारी भी मौजूद थे। परन्तु उनकी मंशा छात्राओं को न्याय दिलाने का नहीं बल्कि हिन्दू मुश्लिम का झूठा आरोप लगाकर पूरे स्कूल और शिक्षक को बदनाम करने की थी। जाती पाती के नाम पर शहर में उन्माद फैलाने की कोशिश करने वाले लोगों को चिन्हित कर जिला प्रशासन को कार्रवाई करनी चाहिए। ताकि दुबारा कोई व्यक्ति ऐसा दुःसाहस नहीं कर सके।

न्यूज IN ब्रीफ

प्रमोद कुमार साहु को पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

रांची : बुधवार झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ के संरक्षक पंच परगना क्षेत्र के सुंडी शौंडिक समाज के स्तंभ वरीय समाजसेवी स्व प्रमोद कुमार साहु उर्फ पलटू बाबू का चौथी पुण्य तिथि उनके रांची स्थित आवास पर उन्हें उनके तैल चित्र पर भावभीनी श्रद्धाजली पुष्प अर्पित कर किया गया। ज्ञात हो जाने माने समाजसेवी स्व प्रमोद कुमार साहु उर्फ पलटू बाबू जिनका देहांत 16 जुलाई 2021 गुरुपूर्णिमा के दिन हुआ था। पलटू बाबू पंच परगना क्षेत्र में सर्व समाज में एक मजबूत स्तंभ के रूप में जाने जाते थे। क्षेत्र में किन्ही के यहां सामाजिक कार्यों के साथ ही सुख दुख में शामिल होने में बराबर पलटू बाबू अग्रिम पंक्ति में नजर आते थे। सुदूर पहाड़ी ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लोगों के बीच उन्हें गरीब दुखियों को बराबर मदद करने वाले हमदर्द के रूप में याद करते हैं। झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ के मुख्य संरक्षक उदय शंकर प्रसाद संरक्षक दिलीप गुप्ता, विनोद गुप्ता, अरुण गुप्ता, कुमुद प्रसाद साहु उर्फ मंटू बाबू, प्रदेश अध्यक्ष दिनेश प्रसाद साहु, महामंत्री उमेश साहु, वरीय प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील साहु,प्रदेश उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता बीरेंद्र साहु , प्रदेश कार्यक्रम प्रभारी उदय साहु, रमण साहु, डॉ अनुप साहु, प्रेम साहु, मनोज साहु, सुमन साहु, रमेश साहु, मुकेश साहु, कुणाल कुमार बंटी, मिथिलेश साहु, अरुणदेव कुमार, असीम साहु, अर्श साहु, डॉ अंशु साहु,पंच परगना सुंडी संघ से अनूप साहु, उपेन्द्र साहु, अजीत साहु, हरेंद्र प्रसाद साहु, मनोज कुमार साहु, प्रदीप साहु, बलराम साहु, ओम प्रकाश गुप्ता, ब्रजेश साहु, सिद्धार्थ साहु, प्रेम कुमार भगत, अरुण साहु, अमर कुमार भगत,पश्चिम बंगाल सुंडी संघ से कृष्णा मुरारी साहु, बाबुल साहु, मुकेश साहु, सरोज साहु, भोला नाथ साहु, राजेन्द्र साहु,सिल्ली शौंडिक जागरण मंच से निर्मल साहु, राधेश्याम साहु, राजेश साहु, गणेश प्रसाद साहु ,भूपेन भगत, संजय भगत, गौतम साहु , सुजीत साहु, रणजीत साहु,जैसे अनेकों समाज के सक्रीय लोग इन्हें आज भी प्रमोद साहु उर्फ पलटू बाबू के सक्रीय भागीदारी, स्मृतियां , संस्कार,उनके सामाजिक चेतना, सिखावन की बीती हुई बातों को सच्चे मन से याद किया करते है। स्व प्रमोद कुमार साहु उर्फ पलटू बाबू के ज्येष्ठ पुत्र रूपेश साहु ने बताया कि बाबा का देहांत गुरु पुर्णिमा के दिन हुआ है तो हर साल गुरुपूर्णिमा के दिन पूरे परिवार जनों के साथ मिलकर उन्हें पुष्प अर्पित कर याद करते हैं।

अविजित घोष को आरकेडीएफ विवि के शैक्षणिक परिषद का सदस्य नियुक्त किया गया

रांची : आरकेडीएफ विश्वविद्यालय में अविजित घोष के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें श्री घोष को आरकेडीएफ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एस। चटर्जी और विश्वविद्यालय के रजिस्टर डॉ अमित पांडेने पुष्पगुच्छ और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। यह सम्मान लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्राप्त करने के अवसर पर दिया गया। अविजित घोष वर्तमान में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में विशेषज्ञ मूल्यांकन सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड में खनन निदेशक के रूप में भी काम किया है। अविजित घोष को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली में 42वें वार्षिक धातु विज्ञान सुरक्षा सप्ताह 2024 में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार खनन सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान और समर्पित सेवा के लिए दिया गया है। श्री घोष को आरकेडीएफ विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद का सदस्य बनाया गया है इस अवसर पर अविजित घोष ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, ₹मुझे बेहद खुशी है कि विश्वविद्यालय ने मुझे अकादमिक परिषद में नियुक्त किया है। मेरा पूरा प्रयास रहेगा कि मैं विश्वविद्यालय की अपेक्षाओं पर खरा उतर सकूं।

मानव अधिकार मिशन ने की अधिवक्ताओं की नियुक्ति

रांची : आज मानव अधिकार मिशन की झारखंड प्रदेश इकाई ने उच्च न्यायालय से संबंधित 05 वकीलों को नियुक्त कर लीगल एडवाइजर कमिटी मे रखा है। इससे संबंधित पत्र प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता पी.के.लाला द्वारा सभी पांचों अधिवक्ताओं को दिया गया है। इस मौके पर मानव अधिकार मिशन के झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष सोहिनी राय उपस्थित थीं। यह जानकारी समाजसेवी शिव किशोर शर्मा ने दी है।

नेत्र चिकित्सा शिविर में 90 लोगों की हुई आंखों की जांच

रांची : पुंदाग स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में एएसजी आई हॉस्पिटल के सौजन्य से एक दिवसीय निःशुल्क नेत्र चिकित्सा जांच लगाया गया। शिविर में आंखों की गंभीर बीमारियों का इलाज नेत्र चिकित्सक डॉ मो. रियाज ने आधुनिक तकनीक मशीनों द्वारा किया गया। उन्होंने मरीजों की आंखों की बारीकियां से जांच के साथ-साथ इलाज के लिए परामर्श भी दिया। उन्होंने कहा कि बढ़ती उम्र, प्रदूषण और पोषण की कमी के कारण नेत्र रोगों की संख्या में इजाफा हो रहा है और समय पर जांच एवं देखभाल से इन समस्याओं से बचा जा सकता है। शिविर में सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम में रह रहे 40 मंदबुद्धि दिव्यांग निराश्रितों सहित 50 अन्य लोगों का नेत्र की जांच की गई, कुल 90 लोगों की नेत्रों की जांच की गई एवं जरूरतमंदों को दवाइयां भी दी गई। नेत्र विशेषज्ञ के साथ सहायक के रूप में रूपेश कुमार झा, श्रेया शुभम, निखिल गुप्ता, नीतिका कुमारी ने सहयोग दिया। इस अवसर पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल एवं ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि शिविर का उद्देश्य था समाज के वंचित जरूरतमंद और असहाय वर्ग के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी मूलभूत सुविधाएं प्रदान करना विशेष कर नेत्र जांच जैसी महत्वपूर्ण चिकित्सा सुविधा जो अनेक बार इन वर्गों तक नहीं पहुंच पाती है। उन्होंने कहा कि सदानंद सेवा धाम मंदिर में समय-समय पर सभी बीमारियों के इलाज हेतु का स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। तथा मरीजो को दवाइयां भी निःशुल्क दी जाती है।

झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र 1 अगस्त से,4 अगस्त को पेश होगा प्रथम अनुपूरक बजट

संवाददाता

रांची: षष्ठम झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र 1 अगस्त से शुरू होने जा रहा है। यह सत्र 7 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान कुल पांच कार्य दिवस होंगे। 11 जुलाई को कैबिनेट की बैठक में सत्र से जुड़े औपबंधिक कार्यक्रम पर सहमति मिल चुकी है। सात दिन के सत्र में 2 अगस्त और 3 अगस्त को शनिवार और रविवार की वजह से अवकाश रहेगा।

मानसून सत्र से जुड़ा कार्यक्रम

सत्र के पहले दिन यानी 1 अगस्त, शुक्रवार को विधानसभा के सत्र में नहीं रहने की अवधि में राज्यपाल द्वारा प्रख्यापित अध्यादेश की प्रमाणीकृत प्रतियां सभा पटल पर रखी जाएंगी। फिर शोक प्रकाश के बाद कार्यवाही स्थगित हो जाएगी।

4 अगस्त, सोमवार को प्रश्नकाल की कार्यवाही होगी। साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 का प्रथम अनुपूरक बजट सभा पटल पर रखा जाएगा।

5 अगस्त, मंगलवार को प्रश्नकाल के बाद प्रथम अनुपूरक बजट के विवरणी पर सामान्य वाद-विवाद के बाद मतदान होगा। फिर संचित निधि से रकम निकासी की मंजूरी के लिए विनियोग विधेयक का उपस्थापन और पारण होगा।

6 अगस्त, बुधवार को प्रश्नकाल के बाद राजकीय विधेयक और दूसरे राजकीय कार्य निपटाए जाएंगे।

7 अगस्त, गुरुवार को पांचवें और अंतिम कार्य दिवस पर प्रश्नकाल, राजकीय विधेयक और दूसरे राजकीय कार्य के साथ-साथ गैर सरकारी संकल्प पर विभागीय मंत्री जवाब देंगे। साल 2024 में झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र 26 जुलाई से शुरू हुआ था जो 2 अगस्त तक चला था। पिछले साल चुनावी वर्ष की वजह से विपक्ष ने भ्रष्टाचार, अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ की वजह से संथाल में बदल रही डेमोग्राफी को लेकर सरकार को घेरने की पूरी कोशिश की थी। देखना है कि इस सत्र में किन-किन मुद्दों को लेकर पक्ष और विपक्ष के बीच खींचतान होती है। वैसे भ्रष्टाचार और विधि व्यवस्था के साथ-साथ रोजगार के मुद्दे पर हंगामा होने के आसार हैं।

चरित्रवान ही कर सकते हैं स्वस्थ और समृद्ध समाज का निर्माण : आरएन सिंह

मेट्रो रेज

रांची : सामाजिक नवनिर्माण में चरित्रवान लोगों की भूमिका महत्वपूर्ण है। स्वस्थ और समृद्ध समाज का निर्माण चरित्रवान लोग ही कर सकते हैं। उक्त बातें एचईसी परिसर स्थित बी-277/3, निवासी धार्मिक-आध्यात्मिक विषयों के ज्ञाता व धर्मपरायण रविंद्र नाथ सिंह ने बुधवार (16 जुलाई) को अपने संदेश में कही। उन्होंने कहा कि समाज में स्वच्छता, पवित्रता और सदाचार से ही सामाजिक नवनिर्माण संभव है। उत्तम प्रकृति के चरित्रवान लोगों का इस दिशा में सहयोग स्वस्थ, स्वच्छ और समृद्ध समाज के निर्माण में सहायक है।

श्री सिंह ने कहा कि हमारे देश का इतिहास ऐसे अनेक चरित्रवान विभूतियों के उदाहरणों से भरा पड़ा है, जिनकी उत्कृष्ट कार्यशैली व व्यवहार से प्रेरित होकर एक सामान्य व्यक्ति भी उन चरित्रवान महापुरुषों जैसा बनने और उनके पदचिन्हों पर चलने के लिए प्रयास कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र, ईश्वरचंद विद्यासागर जैसा शालीन व्यक्तित्व और विनम्रता के प्रतीक विद्वान, झांसी की वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई, पतिव्रता सती सावित्री, देशभक्त नेताजी सुभाष चंद्र बोस, क्रांतिकारी वीर अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद और सरदार भगत सिंह, वीर शिरोमणि छत्रपति शिवाजी, शौर्य और पराक्रम के प्रतीक महाराणा प्रताप जैसे उत्कृष्ट चरित्रवान महापुरुषों के पवित्र चरित्र ने हमारे देश में एक आदर्श स्थापित किया है। इन महापुरुषों के पदचिन्हों पर चलते हुए हम सामाजिक नवनिर्माण में अपनी सहभागिता निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कहावत है कि धन गया तो कुछ नहीं गया, स्वास्थ्य बिगड़ा तो थोड़ा कुछ बिगड़ा और यदि चरित्र गिरा तो सब कुछ गिर गया। व्यक्ति में चरित्र का निर्माण पारिवारिक माहौल,संस्कारों, समाज और स्कूल-कॉलेज में पढ़ाई के दौरान होता है। यह सब चरित्र निर्माण की पाठशालाएं हैं।

हमारे समाज में उत्तम चरित्र की अत्यंत महत्ता है।

उन्होंने कहा कि मनुष्य में चारित्रिक दोष की सबसे बड़ी वजह कुसंगति है। लोगों के बीच भावनात्मक सहयोग के अभाव भी चरित्रहीनता का एक कारक है। पश्चिमी सभ्यता का अनुकरण कर हम अपनी सनातन संस्कृति से विमुख होते जा रहे हैं। यह भी चारित्रिक पतन का एक प्रमुख कारण बनता जा रहा है। वहीं, आधुनिक युग में संचार के बढ़ते संसाधनों की भी कुछ हद तक हमारे चरित्र को कलुषित करने में भूमिका है।

उन्होंने कहा कि हम अपने चरित्र को उत्कृष्ट बनाएं रखें, ताकि समाज में पवित्रता और सदाचार बना रहे। इससे पारस्परिक सद्भाव की भावना उत्पन्न होगी। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा देने की दिशा में भी सतत प्रयासरत रहने की आवश्यकता है। सच्चरित्र की महत्ता को बच्चों को बताएं। श्री सिंह ने कहा की कुसंगति से सदैव दूर रहें। अपने अंदर ऐसे गुण विकसित करें जिससे कुसंगति का असर न हो। इस संबंध में रहीम कवि ने भी कहा है 'जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग, चंदन विष व्यापत नहीं लिपटे रहत भुजंग'। अर्थात उत्तम और चरित्रवान व्यक्ति को कुसंगति भी कुछ नहीं बिगाड़ सकती है।

162 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ संपन्न हुआ

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में मंगलवार को 162 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया। सब पर राम तपस्वी राजा तिन के काज शक्ल तुम साजा के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। पुष्कर महतो प्रभादेवी जितेंद्र कुमार रोशन लाल अयांश लाल ने परिवार के साथ बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया । पुष्कर महतो ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ की पूजा करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया ।

नगर आयुक्त से मिला रांची सिटीजन फोरम का प्रतिनिधिमंडल

नागरिकों सुविधा भी देने में नंबर-1 बने रांची नगर निगम : दीपेश निराला

संवाददाता

रांची : रांची नगर निगम के प्रशासक सह नगर आयुक्त सुशांत गौरव से रांची सिटीजन फोरम का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष दीपेश निराला की अध्यक्षता में मुलाकात कर उनको रांची सिटीजन फोरम के कार्यकलापों के बारे में विस्तृत से जानकारी देते हुए बताया कि रांची सिटीजन फोरम का गठनो हुआ है, और अब इसके साथ कुल 53 वार्ड अंतर्गत 12778 से अधिक सदस्य फोरम के साथ जुड़ चुके हैं, और हम लोग लगातार विभिन्न वार्ड का स्थल निरीक्षण कर वहां पर स्थानीय नागरिकों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं के संदर्भ में चर्चा, संवाद, और जागरूकता का काम कर रहे हैं, जिस क्रम में विभिन्न समस्याएं हमें देखने को मिली है, एवं अब 53 व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से हमारे सदस्य पूरे रांची नगर निगम क्षेत्र से जुड़ चुके हैं, जिससे कई प्रमुख समस्याएं जैसे नियमित रूप से कूड़ा कचरा का उठाव नहीं होना, टूटी फूटी गढ्ढे युक्त सड़क, जाम नाली, बरसात में जल जमाव और गर्मी में पेयजल का संकट, महीनों से खराब पड़े स्ट्रीट लाइट, जैसी दर्जनों समस्याएं हैं, जिससे आम नागरिक जूझ रहे हैं।

प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष दीपेश निराला, उपाध्यक्ष उमाशंकर सिंह, सचिव रेणुका तिवारी, कोषाध्यक्ष विनोद जैन बेगवानी, संयुक्त सचिव हरीश नागपाल, शाहिद आलम, स्वरूप कुमार सेठी, मनीष बक्शी, सुशील कुमार शर्मा, वार्ड नंबर 3 के संयोजक निशांत सिंह, वार्ड नंबर 1 के संयोजक राजेश कुमार, इत्यादि शामिल थे।

शमी, शब्बीर, आजाद मेमोरियल बैडमिंटन टूनार्मेंट नवंबर में

रांची : मॉर्निंग ग्रुप के तत्वाधान शब्बीर आजाद मेमोरियल बैडमिंटन टूनार्मेंट का आयोजन नवंबर में किया जाएगा। आज हुए मॉर्निंग ग्रुप की एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करते हुए ग्रुप के अध्यक्ष अकील उर रहमान ने कहा कि इस बार टूर्नामेंट का आयोजन भव्य रूप से किया जाएगा उन्होंने ने खिलाड़ियों से टूनार्मेंट की तैयारियों में जुट जाने को कहा,मौके पर,मॉर्निंग ग्रुप के ट्रेजरार इकबाल अंसारी ने पिछले वर्ष हुए बैडमिंटन टूर्नामेंट का हिसाब किताब सभी के सामने रखा जिसे आपसी सहमति से पास कर दिया गया मॉर्निंग ग्रुप के मुख्य सरपरस्त हाजी हलीमुद्दीन ने कहा कि इस वर्ष लगातार दो टूनार्मेंट का आयोजन किया जाएगा नवंबर में ही भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के याद में पांचवा मौलाना आजाद कप बैडमिंटन टूनार्मेंट भी खेला जाएगा दोनों टूनार्मेंट के आयोजन के लिए एक पांच सदस्यीय कमिटी का गठन किया गया है जिसमें हसन सैफी प्रिंस,नफीस अख्तर,शमीम मुजीब,मुस्तकिम आलम और नेहाल अहमद को दोनों टूनार्मेंट सफल बनाने की जिम्मेदारी दी गई है,इस मौके पर मॉर्निंग ग्रुप के सरपरस्त विजय साहू,अब्दुल मन्नान,उपाध्यक्ष अब्दुल खालिक नन्हू,अतीक अहमद कुस्सू,ने भी अपने अपने विचार रखे। मौके पर परवेज खान, युनुस खान, एजाज आलम, शारफराज अहमद पहाड़ी टोला,मो कैसर, मो इरशाद के अलावा तमाम मेंबर मौजूद थे।?

अंचलों में हर मंगलवार जनता दरबार का हो रहा आयोजन

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के निदेशानुसार लगातार रांची जिला के सभी अंचल में हर मंगलवार जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को जिला के विभिन्न अंचलों में संबंधित अंचल अधिकारी जनता की समस्याओं से अवगत हुए। आम नागरिक सीधे अधिकारियों के साथ बातचीत कर सकते हैं और अपनी शिकायतों का समाधान पा सकते हैं। यह पहल हर मंगलवार को जिले के सभी प्रखंडों और अंचलों में आयोजित की जाती है, और पहले ही दिन से ही इसका प्रभाव दिखाई दे रहा है। आम नागरिक अपने लंबे समय से लंबित मुद्दों को लेकर अपने-अपने प्रखंड और अंचल कार्यालयों में पहुंचे। जिसमें मुख्य शिकायतें भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मामले जैसे म्यूटेशन और अतिक्रमण, और अन्य शिकायत सुनी।

सिल्ली में 38 दिवसीय कंप्यूटरीकृत अकाउंटिंग एवं बुककीपिंग प्रशिक्षण

संवाददाता

मुरी : श्री धर्मस्थल मंजूनाथेश्वर शिक्षण ट्रस्ट एवं केनरा बैंक द्वारा संचालित रुडसेट संस्थान सिल्ली में 38 दिवसीय कंप्यूटरीकृत अकाउंटिंग एवं बुककीपिंग प्रशिक्षण बैच का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कुंदन कुमार मुरी ओ पी थाना प्रभारी ने शिरकत की। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि कुंदन कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि डिजिटल युग में कंप्यूटरीकृत अकाउंटिंग की मांग तेजी से बढ़ रही है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से युवा बेहतर रोजगार या स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। मुख्य अतिथि ने ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षणार्थी को भी संदेश दिया कि आज दौर में हर कोई सुन्दर दिखना चाहती है इस लिए ब्यूटी पार्लर का बुत मांग है आप सभी मन लगाकर सीखे और अपना खुद का स्वरोजगार करे। उन्होंने रूडसेट संस्थान द्वारा युवाओं को व्यवसायिक प्रशिक्षण देने के कार्य की सराहना की। उन्होंने यह भी संदेश किया कि आज के दौर में बहुत ज्यादा नासा खोरी, फ्रोड या किसी अन्य के बहकावे में आप कभी नहीं आयेगे । ये सभी रास्ते से आप को सावधानी रहनी है।आवश्यकता पड़ने पर जल्द पुलिस को सूचित करे क्योंकि पुलिस आप के सहायता के लिए हमेशा तत्पर है। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक संजीत कुमार ने प्रशिक्षण ले रहे सभी पक्षिणार्थी को संदेश देते हुए कहा कि आप मन लगाकर प्रशिक्षण ले और आय का स्त्रोत बढ़ाए जिस से आप के परिवार को स्पोर्ट मिलेगा। 38 दिनों तक अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर, बुककीपिंग तकनीक, इनवॉइसिंग आदि की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। मंच का संचालन वरिष्ठ संकाय अनिल कुमार ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ कार्यालय सहायक दशरथ कुमार ने किया। मौके पर डी एस टी मेघा रॉय और श्रुति अग्रवाल उपस्थित रहीं।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई–निविदा सूचना

मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 04.08.2025 को 15:00 बजे तक निम्नानुसार खुली ई–निविदा आमंत्रित करते हैः– **निविदा संख्याः** 06-2025-GSU-BKN, **कार्य का नाम व स्थानः** सूरतगढ़ स्टेशन पर ट्रेनों के लिए बुनियादी ढांचे/रखरखाव सुविधाओं के विकास का प्रावधान, **अनुमानित लागत मूल्यः** Rs. 351279808.45, **बिड सिक्यूरिटी राशि (रूपये):** Rs.1906400.00, **निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समयः** बोली शुरू होने की तारीख 21.07.2025 और निविदा बंद होने की तारीख और समय 04.08.2025 को 15:00 बजे तक। नोटः– अन्य शर्तें रेलवे की वेब साइटwww.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।

834-PS/25

हमें f X ▶/NWRailways ◙ NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई–निविदा सूचना

डी.आर.एम. / बिजली, उ.प.रे. जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के वास्ते एवं मंडल की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा आमंत्रित करते हैं। **1. सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता :** http: //www.ireps.gov.in, **2. ई–निविदाएं प्रस्तुत करने की तिथि व समयः** 07.08.2025 को 15.00 बजे तक, **3. ई–निविदाएं खोलने की तिथि व समयः** 07.08.2025 को 15.00 बजे के बाद, **निविदा संख्याः** GSU ELECTG 06/2025-26, **कार्य का विवरणः** Electrical work in c/w Development of Bhavi D class Station to B Class crossing station on PPR-BARA section, **अनुमानित लागत रूपयेः** Rs. 37,85,292.08, **निविदा संख्याः** GSU ELECTG 07/2025-26, **कार्य का विवरणः** Electrical work in c/w Development of New Goods shed at Bhawi Station, **अनुमानित लागत रूपयेः** Rs. 38,24,957.20, विस्तृत जानकारी हेतु कृपया http://www.ireps.gov.in पर विजिट करें।

844-PS/25

हमें f X ▶/NWRailways ◙ NWRailways_ पर फॉलो करें

कार्यालयः वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमण्डल

E-mail : forest-gumla@jharkhandmail.gov.in

Mobile No. – 8987790115

Pin Code - 835207

पत्रांक ..../ दिनांक ..../

आवश्यक सूचना

सूचित किया जाता है कि दिनांक 01.06.2025 को गुप्त सूचना के आधार पर बाईपास रोड, गुमला, ग्राम–करौंदी के पास से 19 पीस साल बोटा सहित एक 407 मिनी ट्रक सं0–अज्ञात को वनकर्मियों के द्वारा जप्त कर गुमला वन परिसर में लाकर सुरक्षित रखा गया है। उक्त जप्त वन पदार्थ सहित वाहन के विरूद्ध प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में अधिहरण की कार्रवाई प्रारम्भ की गई है।

अतः समाचार पत्रों के माध्यम से जप्त वन पदार्थ के दावेदार (यदि कोई हो) एवं सम्बन्धित सभी को सूचित किया जाता है कि वे दिनांक 24.07.2025 को प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में 11:00 बजे पूर्वाह्न स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा उपलब्ध साक्ष्यों एवं अभिलेखों के आधार पर एक पक्षीय निर्णय ले लिया जायेगा।

प्राधिकृत पदाधिकारी, –सह–
वन प्रमंडल पदाधिकारी,
गुमला वन प्रमंडल

PR 357366 Forest, Environment and Climate Changes (25-26)_D

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

सुरक्षा का प्रश्न

रक्षा परियोजनाओं में देरी पर भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह की चिंता और सवाल वाजिब हैं। दोतरफा मोर्चे पर जूझ रही सेना के आधुनिकीकरण में तेजी लाने की जरूरत है। इसके लिए केवल विदेशी सौदों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, मेक इन इंडिया प्रॉजेक्ट के तहत भी उत्पादन बढ़ाना होगा।एयरफोर्स चीफ की टिप्पणी ऐसे वक्त आई है, जब भारत ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को हवाई क्षमता का प्रदर्शन कर ध्वस्त किया था। इसी टकराव ने यह भी दिखाया कि जंग में लड़ाकू विमानों की भूमिका कितनी अहम हो चुकी है। भारत के सामने दो फ्रंट खुले हुए हैं- पाकिस्तान और चीन और चिंता की बात यह है कि जो चीन के पास है, वह किसी न किसी तरह पाकिस्तान के पास पहुंच ही जाता है। हालिया टकराव में ही उसने तुर्किये के ड्रोन और चीन के लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया। भारत के लिए ताजा रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है कि चीन अपने जे -35 स्टेल्थ फाइटर जेट भी पाकिस्तान को देने जा रहा है। सरकार ने 5वीं पीढ़ी के स्टेल्थ फाइटर जेट के निर्माण को मंजूरी तो दी है, पर अगर उम्मीद पूरी हुई तो भी इनको बनने में 10 साल लग जाएंगे। भारतीय वायु सेना के पास 42.5 स्क्वाड्रन लड़ाकू विमान होने चाहिए, लेकिन हैं केवल 30। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड अभी तक स्वदेशी तेजस मार्क - 1ए की डिलिवरी नहीं कर पाया है। इसकी वजह से वायु सेना की रक्षा तैयारियों पर असर पड़ रहा है। एयर चीफ पहले भी यह मुद्दा उठा चुके हैं। भारत ने हाल में 'मेक इन इंडिया' पर दम लगाया है। 2023-24 में 1.27 लाख करोड़ का रक्षा उत्पादन इस प्रॉजेक्ट के तहत हुआ साथ ही देश ने 21 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का डिफेंस एक्सपोर्ट किया। 100 से अधिक मुल्कों ने भारत से रक्षा उपकरण और हथियार खरीदे हैं। एक दशक में करीब 30 गुना की तेजी आई है। भारत को आने वाले वक्त में अपनी रक्षा जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर बनना होगा। साथ ही, जिस तरह से चीन ने अपनी सेना का आधुनिकीकरण किया है, भारत को भी उस राह पर तेजी से आगे बढ़ना होगा। इसके लिए डिफेंस प्रॉडक्शन को फास्ट ट्रैक करने की जरूरत है और इसमें कोई कोताही नहीं होनी चाहिए।

इसमें यूएस का घाटा

सभी विदेशी स्टूडेंट्स के वीजा इंटरव्यू रोकने और उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स की जांच करने का फैसला लेकर ट्रंप प्रशासन ने विश्वविद्यालयों के साथ अपनी लड़ाई और बढ़ा दी है। ट्रंप चाहते हैं कि दुनिया की टॉप यूनिवर्सिटीज में उनके मन मुताबिक फैसले लिए जाएं, लेकिन इसका विपरीत असर अमेरिका की छवि पर पड़ रहा है। अमेरिकी विश्वविद्यालयों की स्वायत्ता और उनमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर ट्रंप का रुख अपने दूसरे कार्यकाल की शुरूआत से रूखा रहा है। वीजा पर ताजा कदम को उससे अलग करके नहीं देखा जा सकता। ट्रंप हर तरह से यूनिवर्सिटीज पर दबाव बनाना चाहते हैं। कार्यकाल की शुरूआत में ही उन्होंने भारतीय समेत कई विदेशी स्टूडेंट्स का वीजा इस आधार पर रद्द कर दिया था कि वे कानून विरोधी गतिविधियों में शामिल थे। इसके बाद हार्वर्ड से जुड़ा विवाद सामने आया। ट्रंप अपने हर फैसले को 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' की शक्ल दे देते हैं। विदेशी स्टूडेंट्स पर रोक को इस तरह प्रचारित किया जा रहा है, मानो अमेरिकी विश्वविद्यालयों की सारी सीटें बाहर के छात्रों से ही भर जाती थीं और स्थानीय लोगों को मौका नहीं मिल पाता था। हालांकि असल बात यह है कि विदेशी स्टूडेंट्स बिना किसी सरकारी मदद के पढ़ते हैं और ज्यादा फीस देते हैं। उन पर रोक से अमेरिकी यूनिवर्सिटीज को आर्थिक झटका लगेगा। हार्वर्ड पर तो पहले ही सरकारी अनुदान में कटौती की मार पड़ी है। ग्रेट यानी महान होने का मतलब केवल आर्थिक और सैन्य ताकत बनना नहीं होता। महान बनने का मतलब यह भी है कि वहां सभी के लिए बराबरी के मौके हों और अभी तक अमेरिका की यही पहचान रही है । विदेशी स्टूडेंट्स सबसे ज्यादा अमेरिका जाते हैं। 2023-24 सेशन में, अमेरिका में पूरी दुनिया से सबसे ज्यादा 11.26 लाख स्टूडेंट्स पहुंचे थे । केवल भारत से ही 3.3 लाख स्टूडेंट्स गए थे। लेकिन, ताजा हालात में ये सभी आशंकाओं से भरे हुए हैं। अमेरिका की आईटी और टेक इंडस्ट्री को आगे बढ़ाने में भारतीयों की बहुत बड़ी भूमिका है। वैश्विक स्तर पर एआई को लेकर मची होड़ में अमेरिका को और प्रतिभाएं चाहिए । इलॉन मस्क भी यह बात कह चुके हैं, लेकिन ट्रंप की नीतियों की वजह से इन प्रतिभाओं के लिए अमेरिका में मौका मिलना मुश्किल हो रहा है और यह खुद अमेरिकी इंडस्ट्रीज के लिए अच्छा नहीं है। अमेरिकी समाज और वहां के विश्वविद्यालय वैश्विक विविधता का सबसे बड़ा उदाहरण हैं। विभिन्न जगहों से आए स्टूडेंट्स जब एक छत के नीचे मिलते हैं, तो नए विचार पनपते हैं। इसमें सोशल मीडिया का भी रोल है। ट्रंप का इस पर पहरा लगाना नए विचारों पर पहरा लगाने की तरह है।

ऐसी पढ़ाई में है सारे बच्चों की भलाई

हर बच्चा अब शिक्षक से आंख मिलाकर संवाद कर सकता है, अपने सवाल पूछ सकता है और खुद को महत्वपूर्ण महसूस कर सकता है। बताया जाता है कि यह नई व्यवस्था एक फिल्म में दिखाई गई कल्पना से प्रेरित है। कभी-कभी सिनेमा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि बदलाव की प्रेरणा भी बन जाता है। जिस तरह ₹तारे जमीन पर₹ ने विशेष बच्चों को लेकर दृष्टिकोण बदला, वैसे ही इस फिल्म ने शिक्षा व्यवस्था पर सोचने को मजबूर किया। केरल ने उस कल्पना को जमीन पर उतारा और यही वह दृष्टिकोण है जो भारत के शिक्षा क्षेत्र में एक नई रोशनी बन सकता है।

प्रियंका सौरभ

भारत के शिक्षा तंत्र में दशकों से एक अदृश्य रेखा बनी रही है। वह है आगे की बेंच और पीछे की बेंच। जहां आगे की बेंच पर बैठने वाले छात्र अकसर मेधावी माने जाते हैं, वहीं पीछे की बेंच को उपेक्षा और उपहास का प्रतीक समझा जाता है। लेकिन केरल के सरकारी स्कूलों में हाल ही में जो बदलाव लाया गया है, वह इस मानसिकता को जड़ से चुनौती देता है। अब वहां ₹बैक बेंचर्स₹ नाम की कोई चीज नहीं है। केरल के स्कूलों में अब छात्रों को गोल घेरे में (यू-शेप) में बैठाया जा रहा है, जिससे हर बच्चा शिक्षक के सामने होता है, न कोई आगे, न कोई पीछे। यह केवल एक बैठने की शैली नहीं, बल्कि एक वैचारिक क्रांति है। यह इस सोच को तोड़ता है कि सीखने का अधिकार कुछ बच्चों तक सीमित है।

इस बदलाव का उद्देश्य स्पष्ट है-बराबरी, भागीदारी और समावेशिता। हर बच्चा अब शिक्षक से आंख मिलाकर संवाद कर सकता है, अपने सवाल पूछ सकता है और खुद को महत्वपूर्ण महसूस कर सकता है। बताया जाता है कि यह नई व्यवस्था एक फिल्म में दिखाई गई कल्पना से प्रेरित है। कभी-कभी सिनेमा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि बदलाव की प्रेरणा भी बन जाता है। जिस तरह ₹तारे जमीन पर₹ ने विशेष बच्चों को लेकर दृष्टिकोण बदला, वैसे ही इस फिल्म ने शिक्षा व्यवस्था पर सोचने को मजबूर किया। केरल ने उस कल्पना को जमीन पर उतारा और यही वह दृष्टिकोण है जो भारत के शिक्षा क्षेत्र में एक नई रोशनी बन सकता है। शिक्षा केवल किताबी ज्ञान नहीं, वह एक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है। एक बच्चा जो हमेशा पीछे बैठाया जाता है, उसके आत्मविश्वास पर इसका असर पड़ता है। उसे लगता है कि वह कमतर और गैरजरूरी है। जब वही बच्चा शिक्षक के सामने बैठता है, चर्चा का हिस्सा बनता है, तो उसके भीतर एक नई ऊर्जा जन्म लेती है। नई बैठने की व्यवस्था केवल छात्रों के लिए नहीं, शिक्षकों के लिए भी एक चुनौती और अवसर दोनों है। अब शिक्षक को केवल सामने खड़े होकर भाषण देने वाला नहीं, बल्कि बातचीत और सहभागिता में विश्वास रखने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। यह ₹एकतरफा शिक्षा₹ को ₹दोतरफा संवाद₹ में बदलता है। यह नई व्यवस्था शिक्षा में लोकतंत्र लाने की शुरूआत है। जहां सभी बच्चों को समान दृष्टि से देखा जाता है। यह भारत के संविधान की उस मूल भावना के अनुरूप है, जो समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व की बात करता है। भारत में शिक्षा को लेकर अकसर यह शिकायत रहती है कि कक्षा का वातावरण असमानता को बढ़ावा देता है। कुछ बच्चों को ही शिक्षक का ध्यान मिलता है, जबकि अन्य बच्चे पीछे छूट जाते हैं। केरल की यह पहल इस असंतुलन को खत्म करने का प्रयास है। जब हर बच्चा एक जैसे स्थान पर बैठेगा, तो शिक्षक की दृष्टि और संवाद में भी समता आएगी। शिक्षा को समाजशास्त्र के नजरिए से देखें तो यह व्यवस्था वर्ग, जाति और आर्थिक स्थिति से जुड़ी भेदभावपूर्ण मानसिकता को भी चुनौती देती है। पिछली पंक्तियों में अकसर वे बच्चे बैठते थे जो या तो सामाजिक रूप से दबे हुए होते थे या जिनका आत्मविश्वास कम होता था। अब जब वे केंद्र में होंगे, तो उनके आत्म-सम्मान में वृद्धि होगी। केरल का यह प्रयोग इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल नीति-निमार्ताओं द्वारा ऊपर से थोपा गया बदलाव नहीं है, बल्कि शिक्षकों, छात्रों और स्कूल प्रशासन की सामूहिक सोच और सहमति से उपजा विचार है। यह समावेशी शिक्षा के वैश्विक सिद्धांतों के अनुकूल है, जिसमें हर बच्चे को समान अवसर देना प्राथमिकता है। नई व्यवस्था बच्चों को पारंपरिक अनुशासन की जगह से निकालती है और उन्हें संवाद, सहयोग और सहभागिता की दुनिया में लाती है। यह शिक्षण पद्धति को अधिक संवादात्मक, जीवंत और व्यावहारिक बनाती है। इस मॉडल का एक मनोवैज्ञानिक पहलू भी है- जब बच्चा खुद को महत्वपूर्ण महसूस करता है, तो उसकी सीखने की क्षमता बढ़ जाती है। आत्म-सम्मान, आत्म-विश्वास और कक्षा में सक्रियता आपस में जुड़े हुए हैं। इसलिए यह व्यवस्था केवल बैठने की शैली नहीं, बल्कि सीखने की संस्कृति में बदलाव है। व्यवहारिक दृष्टि से यह व्यवस्था आसान नहीं है। देश के अधिकांश स्कूलों में कक्षाएं छोटी हैं, छात्र संख्या अधिक है और फर्नीचर सीमित। लेकिन यह असंभव भी नहीं है। यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो और शिक्षक समुदाय इस दिशा में तैयार हो, तो यह मॉडल अन्य राज्यों में भी अपनाया जा सकता है।देशभर में शिक्षा बजट का एक हिस्सा कक्षा के पुनर्गठन में लगाया जाए तो यह केवल भौतिक परिवर्तन नहीं, मानसिक और शैक्षणिक बदलाव भी लेकर आएगा। इसके लिए शिक्षक प्रशिक्षण, स्कूलों की संरचना और पाठ्यचर्या में भी सुधार जरूरी है। निजी स्कूलों को भी इस पहल से सीख लेनी चाहिए। अगर वे वास्तव में छात्रों का सम्पूर्ण विकास चाहते हैं, तो इस मॉडल को अपनाना न केवल उचित होगा बल्कि जरूरी भी। माता-पिता, अभिभावकों और समाज को भी इस पहल का स्वागत करना चाहिए। उन्हें यह समझना होगा कि शिक्षा केवल अंक लाने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि एक सामाजिक, मानसिक और नैतिक विकास की प्रक्रिया है। यह व्यवस्था उस सोच को भी चुनौती देती है कि शिक्षक सर्वोपरि है और छात्र केवल एक श्रोता। अब शिक्षक और छात्र दोनों संवाद के भागीदार हैं। यह आधुनिक शिक्षा की मूल भावना है, जहां शिक्षा 'सत्ता' नहीं बल्कि 'साझेदारी' है। केरल का यह प्रयोग भारत की शिक्षा नीति 2020 के विजन के भी अनुरूप है, जो रटंत विद्या से हटकर सोचने, संवाद करने और रचनात्मक बनने पर बल देती है। जब छात्र संवाद के केंद्र में होंगे, तो उनकी सोचने की क्षमता और आत्म-अभिव्यक्ति का स्तर भी बढ़ेगा। शिक्षा को लेकर हमारे समाज में अकसर एक डर का माहौल बना रहता है। मसलन-परीक्षा का डर, अंक का डर, असफलता का डर। लेकिन जब कक्षा का वातावरण सहभागी और संवादात्मक होता है, तो ये डर धीरे-धीरे खत्म होते हैं। यही डर-मुक्त शिक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम है। संक्षेप में कहें तो केरल के स्कूलों में बैठने की इस नई व्यवस्था ने केवल कुर्सी-मेजें नहीं बदली हैं, बल्कि एक पूरी पीढ़ी के सोचने, सीखने और समाज से जुड़ने के तरीके को बदला है। यह परिवर्तन छोटे स्तर पर शुरू हुआ है, लेकिन इसके परिणाम बहुत बड़े हो सकते हैं। आशा है कि भारत के अन्य राज्य भी इस प्रयोग से प्रेरणा लेकर शिक्षा को 'प्रतियोगिता' से निकालकर 'समावेशिता' की ओर ले जाएंगे। जब हर बच्चा केंद्र में होगा, तभी समाज का केंद्र भी न्याय, समानता और सहभागिता पर टिकेगा।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

शिक्षा में भारतीय ज्ञान का समावेश:क्यों और कैसे?

यह लोक-रुचि और लोक-कल्याण की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। उस पर सार्वजनिक विचार होना ही चाहिए । तटस्थता और उपेक्षा का नजरिया छोड़ कर इस पर अच्छी तरह से ध्यान देना जरूरी है। आखिरकार यह पूरे समाज की मनोवृत्ति, आचरण और देश के सांस्कृतिक अस्तित्व का सवाल है। शिक्षा की दृष्टि से यह एक गंभीर तथ्य हो जाता है कि हम आलोचनात्मक रूप से चिंतनहीन और सर्जनात्मकता की दृष्टि से पंगु होते जा रहे हैं। शैक्षिक निष्पादन चिंताजनक रूप से घट रहा है। राजनीति में आडम्बर और मानवीय मूल्य दृष्टि की बढ़ती कमी आज सबको खटक रही है। सामाजिक जीवन के अनेक क्षेत्रों में चिन्ताएं बढ़ रही हैं। उदाहरण के लिए न्याय व्यवस्था में आज तक अपेक्षित सुधार नहीं लाया जा सका ।

गिरीश्वर मिश्र

सुनने में यह कुछ अटपटी सी बात लगती है कि भारतीय शिक्षा को अब 'भारतीय' ज्ञान-परम्परा के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए पहल की जा रही है। इसे लेकर आम आदमी के मन में कई सवाल खड़े होते हैं। भारतीय होने का क्या अर्थ है ? जो ज्ञान-परम्परा स्वतंत्र भारत में चलती रही है वह किस अर्थ में भारतीय नहीं थी या कम भारतीय थी ? भारतीय ज्ञान-परम्परा का स्वरूप क्या है ? वह किस रूप में दूसरी ज्ञान-परम्पराओं से अलग है ? इस भारतीय ज्ञान-परम्परा की विशिष्टता क्या है जो हम इसकी ओर मुड़ें ? हालांकि इन प्रश्नों का उत्तर बहुत कुछ राजनीतिक पसंद और नापसंद पर निर्भर करता है पर आज के ज्ञान-युग में सामर्थ्यशाली होने के लिए इस पर विचार करना भारत के लिए किसी भी तरह से वैकल्पिक नहीं कहा जा सकता। शिक्षा भारत में हो रही है, वह भारतीय शिक्षार्थियों के लिए है और भारतीयों द्वारा ही दी जा रही है। यह लोक-रुचि और लोक-कल्याण की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। उस पर सार्वजनिक विचार होना ही चाहिए । तटस्थता और उपेक्षा का नजरिया छोड़ कर इस पर अच्छी तरह से ध्यान देना जरूरी है। आखिरकार यह पूरे समाज की मनोवृत्ति, आचरण और देश के सांस्कृतिक अस्तित्व का सवाल है। शिक्षा की दृष्टि से यह एक गंभीर तथ्य हो जाता है कि हम आलोचनात्मक रूप से चिंतनहीन और सर्जनात्मकता की दृष्टि से पंगु होते जा रहे हैं। शैक्षिक निष्पादन चिंताजनक रूप से घट रहा है। राजनीति में आडम्बर और मानवीय मूल्य दृष्टि की बढ़ती कमी आज सबको खटक रही है। सामाजिक जीवन के अनेक क्षेत्रों में चिन्ताएं बढ़ रही हैं। उदाहरण के लिए न्याय व्यवस्था में आज तक अपेक्षित सुधार नहीं लाया जा सका । आज करोड़ों मुकदमें हैं जिनमें झूठे मुकदमे भी हैं और करोड़ों परिवार त्रस्त हैं। नागरिक जीवन से जुड़ी व्यवस्थाएं चाक चौबंद नहीं हैं। ऐसे में शिक्षा पर बहुतों की नजरें टिकी हैं और उसके सुधार से बड़ी आशाएं जगती हैं। शिक्षा नीति में भारतीयता की दिशा में बदलाव की पहल के प्रति समाज में कई तरह की प्रतिक्रियाएं मिलती हैं। पश्चिमी शिक्षा और ज्ञान को सार्वभौमिक मान रहे लोग इसे राजनैतिक शगूफा मान रहे हैं, कुछ इस मोड़ के प्रति तटस्थ हैं, कुछ थोड़े संभ्रम के साथ उत्सुक हैं। कुछ हैं जो वास्तविक अर्थों में इसे गंभीरता से भी ले रहे हैं पर उनकी संख्या बहुत थोड़ी है । जो भी हो भारतीय ज्ञान-परम्परा का नीति-निर्माण की दुनिया में प्रवेश हो चुका है। नई शिक्षा नीति को लेकर देश भर में हुई लगातार हुई चचाओं के कई दौर चलने के बाद विभिन्न विषयों के पाठयक्रम भारतीय ज्ञान-परम्परा के प्रति उन्मुख हो रहे हैं और आम जनों के बीच भी इसे लेकर उत्सुकता बढी है। पर शिक्षा में भारतीयता की इस सतही उपस्थिति से आगे बढ कर गम्भीर और व्यवस्थित रूप इस उपक्रम को अभी तक नहीं मिल सका है। कई लोग इसे एक नारा मान कर चल रहे हैं जब कि कुछ के लिए यह अस्मिता और भावना का प्रश्न बन गया है। यह तो तय है कि यदि पश्चिमी खचीर्ले और अंशतः दिशाहीन तथा आयातित ज्ञान को थोपे जाने से मुक्ति की इच्छा है और अपने देश के ज्ञान, कौशल और अस्मिता को बंधक से छुड़ाने का मन है तो शिक्षा में बदलाव लाना ही होगा। यह भी निर्विवाद है कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मानसिक स्वराज जरूरी है और अपनी ज्ञान-व्यवस्था को पुनर्जीवित करना होगा। ओढ़ी हुई आधुनिकता की जगह नवोन्मेषी हो कर समकालीन परिस्थितियों में सकारात्मक परिवर्तन भी लाना होगा। हमको सांकेतिक और सजावटी बदलाव के भुलावे से आगे बढ़कर परिस्थितियों का सामना करना होगा और शिक्षा में जरूरी रूपांतर भी लाना होगा क्योंकि मानसिक गुलामी कई तरह से देश को आहत करती आ रही है जिसका बहुतों को पता भी नहीं होता। भारत के मानस का वि-उपनिवेशीकरण (डिकोलोनाइजेशन) शिक्षा में भारतीय दृष्टि की विवेकपूर्ण संगति के सिवाय कोई और मार्ग नहीं है। भारत की शिक्षा को भारतीय दृष्टि में स्थापित करने के परिणाम भारत और विश्व दोनों के ही हित में होगा।

ज्ञान-विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विस्तार के पश्चिमी माडेल का खोखलेपन दिन-प्रतिदिन उजागर हो रहा है। अविरल चलती हिंसा, जलवायु-परिवर्तन की बढ़ती मुश्किलें, तीव्र होती गलाकाट प्रतिस्पर्धा, पर्यावरण का भीषण प्रदूषण, मनुष्यता की जगह बाजार का बढ़ता प्रभुत्व और अब कृत्रिम मेधा के क्रांतिकारी तकनीकी परिवर्तनों की सौगात ज्ञान के पश्चिमी नेताओं की सोच और मानसिकता पर प्रश्नचिह्न लगा रही है। यह सारा विकास मनुष्यता के विनाश का कारण बन रहा है। भारतीय ज्ञान-परम्परा मनुष्य की क्लेशों से मुक्ति की कामना करती है परंतु यह खेद की बात यह है कि बहुतों के मन में इस ज्ञान-परम्परा की वही बेढ़ब और अस्पष्ट छवि अभी भी बरकरार है जो कभी अंग्रेज बहादुरों ने बनाई थी और जिसे करीब दो सदियों लम्बे औपनिवेशिक दौर में भारतीयों ने बहुत हद तक आत्मसात कर लिया था। इसी के चलते आज बहुत से लोग इसे स्वर्णिम अतीत की अनावश्यक स्मृति का ऐसा आग्रह या व्यामोह मानते हैं जो वर्तमान से अछूता है । हालाँकि आज की वैश्विक परिस्थितियों की सच्चाई पश्चिमी ज्ञान को लेकर निराशा ही दिखा रही है और लगातार हो रहे युद्ध से उसके बारे में बचे-खुचे भ्रम टूट बिखर रहे हैं । वस्तुतः यह सोच दूषित और दुराग्रहपूर्ण है कि भारतीय ज्ञान-परम्परा के प्रयोजन, परम्परा और दृष्टि संदिग्ध है। सच्ची बात यह है कि भारतीय ज्ञान-परम्परा ज्ञान-विज्ञान भी है और जीवन-दर्शन भी। यह यूरोकेंद्रित सोच-विचार का प्रभावी विकल्प प्रस्तुत करती है और वास्तविक जीवन अनुभव, आचार, नैतिकता और व्यापक सृष्टि की अवधारणाओं से जोड़ती है। भारतीय ज्ञान-परम्परा कोई काल में दफ्न वस्तु नहीं है। वह जीवित है और विकसित भी होती रही है। हां, इसके संस्थागत रूप की निरंतर उपेक्षा होती रही और हम उससे विरक्त होते गए। व्यक्तिवादी, अमूर्त्त, मात्रात्मक, और एकांत अनुशासनों की पक्षधर पश्चिमी ज्ञान परम्परा में सभी विषय स्वतंत्र ढंग से अलग-अलग विकसित हुए हैं । इसकी परिणति अतिरिक्त विशेषज्ञता के विकास में दिख रही है। भारतीय ज्ञान-परंपरा समेकित और अंतःक्रियात्मक है। इस प्रतिमान या पैराडाइम में परस्पर अवलंबन और पूरकता है। न्याय, मीमांसा, आयुर्वेद और योग आदि में ज्ञान की सुनम्य विधियों, सुचिंतित तर्क और अनुभव का उपयोग करते हैं और इनके बीच आवाजाही भी है । इस परम्परा में मनुष्य को प्रकृति के दोहन-शोषण का एकाधिकार नहीं है क्योंकि मनुष्य को पर्यावरण और ब्रह्मांड में स्थापित है न कि उसका केंद्र है। ज्ञान का सामाजिक संदर्भ में स्थित होना और नैतिक मूल्यों पर टिका होना भारतीय ज्ञान परम्परा को आधुनिक विज्ञान की दृष्टि को पूर्णता तक ले जाता है। भारतीय ज्ञान-परम्परा के विषय में संदेह और उत्साह की कमी अज्ञानता के कारण है जो सांस्कृतिक विस्मरण के साथ बढ़ता रहा है। शिक्षा नीतिझ2020 के प्राविधान के बाद भी औपनिवेशिक प्रभाव में पश्चिमी ज्ञान जहां सार्वभौम माना जा रहा है भारतीय ज्ञान स्थानीय मान कर हाशिए पर ही डाला जा रहा है । उसे बेतरतीब ढंग से पश्चिमी ज्ञान के मूल विषय-विस्तार में बैठा दिया जा रहा है चाहे वह संगत हो या असंगत। इस प्रसंग में यह भी भूल जाया जाता है कि भारतीय ज्ञान परम्पराएं पुरावशेष न हो कर लोक-जीवन में कई रूपों में सजीव रूप से विद्यमान हैं। पर्यावरण-संरक्षण, नैतिक आचरण, औषधीय उपाय तथा सामाजिक-सांस्कृतिक ज्ञान की सामग्री आमजनों, जन-जातियों और गावों में इतस्ततः बिखरी पड़ी हैं ।

सुखी वैवाहिक जीवन के लिए महिलाएं करती हैं मंगला गौरी व्रत

आज मंगला गौरी व्रत है, यह व्रत बेहद शुभ माना जाता है। यह व्रत देवी पार्वती को समर्पित है। इसका पालन विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए करती हैं। मंगला गौरी व्रत सावन के महीने में आता है, जो कि भगवान शिव और देवी पार्वती को समर्पित है। सावन के हर मंगलवार को मंगला गौरी व्रत होता है। सावन के सोमवार की तरह ही मंगला गौरी व्रत का भी महत्व है। इस दिन व्रत रखकर मंगला गौरी की पूजा करते हैं। मंगला गौरी का व्रत प्रायः नवविवाहित स्त्रियां सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए रखती हैं। यह व्रत सावन मास के हर मंगलवार को रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस व्रत के प्रभाव से व्रती को माता गौरी का आशीर्वाद प्राप्त होता है जिससे उनका वैवाहिक जीवन खुशहाल बनता है। यह व्रत मनचाहे जीवनसाथी और मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए करते हैं, वैसे ही मंगला गौरी व्रत अखंड सौभाग्य, जल्द विवाह, सुखी दांपत्य जीवन, योग्य पति की कामना की पूर्ति के लिए यह व्रत किया जाता है. सावन के हर मंगलवार को मंगला गौरी व्रत रखा जाता है. इस बार सावन माह में 4 मंगला गौरी व्रत पड़ेंगे। विवाहित महिलाएं अपने परिवार की सुख-शांति, पति की लंबी उम्र और समृद्ध जीवन के लिए यह व्रत रखती हैं, जबकि अविवाहित कन्याएं उत्तम जीवनसाथी की प्राप्ति की कामना से यह उपवास करती हैं। हिन्दू पंचांग के अनुसार, पहला मंगला गौरी व्रत के दिन सौभाग्य योग बन रहा है। उस दिन सौभाग्य प्रातःकाल से लेकर दोपहर 2 बजकर 12 मिनट तक है, उसके बाद से शोभन योग होगा। ये दोनों ही शुभ योग हैं, लेकिन सौभाग्य योग में किए गए पूजा, पाठ, व्रत, जप, दान आदि से पति की आयु बढ़ती है, सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। पंडितों के अनुसार 15 जुलाई को पहले मंगला गौरी व्रत के दिन व्रती को माता गौरी और शिव जी की पूजा सौभाग्य योग में करनी चाहिए। सौभाग्य योग के समापन से पूर्व मंगला गौरी की पूजा कर लें। शिव और शक्ति की कृपा से आपको अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होगी। जो युवतियां सुखी वैवाहिक जीवन या अपने लिए योग्य जीवनसाथी की कामना कर रही हैं, उनको भी इस शुभ योग में पूजा करनी चाहिए। इस दिन अभिजीत मुहूर्त, जो कि पूजा-पाठ और शुभ कार्यों के लिए अत्यंत श्रेष्ठ माना जाता है, उपलब्ध रहेगा।

इस शुभ समय में माता गौरी की पूजा, व्रत का संकल्प, कथा श्रवण और दान आदि करने से विशेष पुण्य फल की प्राप्ति होती है। यदि महिलाएं इस मुहूर्त में व्रत की पूजा संपन्न करें तो उन्हें अखंड सौभाग्य और पारिवारिक सुख का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

सेहत

शरीर के अंगों को खराब कर देती है तंबाकू की लत

आज हमारे समाज में तंबाकू की लत एक गंभीर समस्या बन चुकी है। तंबाकू का सेवन करने से कई जानलेवा बीमारियां जन्म लेती हैं। फिर चाहे वह धूम्रपान के रूप में हो या फिर चबाने वाली तंबाकू के रूप में हो। इसका सेवन करने से धीरे-धीरे शरीर के कई अहम अंगों को नुकसान पहुंचता है। बता दें कि तंबाकू सिर्फ एक बुरी आदत ही नहीं बल्कि यह स्लो पॉइजन है, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों के स्वास्थ्य पर गहरा असर डालता है। लेकिन कई बार इससे होने वाले नुकसान के लक्षण धीरे-धीरे सामने आते हैं, जिसके कारण लोग समय रहते सतर्क नहीं रह पाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि तंबाकू के सेवन से महिलाओं और पुरुषों को कौन-कौन सी बीमारियों का खतरा अधिक होता है।

कमजोर हो जाते हैं फेफड़े : तंबाकू का सेवन करने से पहला और घातक असर फेफड़ों पर होता है। सिगरेट और बीड़ी पीने से फेफड़ों की कार्यक्षमता कम होने लगती है। अगर जल्दी इस लत को न छोड़ा जाए, तो समय के साथ ब्रोंकाइटिस, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज और फेफड़ों का कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं महिलाओं में भी तंबाकू के सेवन का प्रभाव गंभीर होता है। क्योंकि यह महिलाओं के न सिर्फ फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि यह हड्डियों, हॉर्मोनल प्रणाली और प्रजनन क्षमता पर भी असर डालता है।

पुरुषों में तंबाकू सेवन से होने वाली बीमारियां : हेल्थ एक्सपर्टकी मानें, तो पुरुषों में तंबाकू का सेवन करने से बार-बार खांसी आना, सांस फूलना और सीने में भारीपन जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। कई मामलों में यह लक्षण लंबे समय तक अनदेखे भी रहते हैं। वहीं जब यह लक्षण सामने आते हैं और मरीज डॉक्टर के पास पहुंचता है, तब तक बीमारी काफी बढ़ चुकी होती है। तंबाकू का सेवन करने वालों में हार्ट अटैक और फेफड़ों के कैंसर की समस्या अधिक देखने को मिलती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

भारी वर्षा को लेकर अलर्ट, जिला प्रशासन की अपील सुरक्षित रहें सतर्क रहें

संवाददाता

साहिबगंज : जिला में इन दिनों भारी वर्षा की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन, साहेबगंज द्वारा नागरिकों से सतर्क रहने एवं सुरक्षा उपाय अपनाने की अपील की गई है।भारी वर्षा के दौरान क्या करें क्या ना करें।सुरक्षात्मक कपड़े पहने और घर के अंदर आश्रय ले। बारिश और तेज हवाओं के दौरान खिड़कियों और दरवाजा से दूर रहे। तूफान के दौरान संवेदनशील इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बिजली के प्रवाह से बचाने के लिए उनका प्लग निकाल दे।नदी , सड़क के अंदर पास जल निकासी, खाइयों,

निचले इलाकों और उन क्षेत्रों से बचें जहां पानी इकट्ठा होता है- वहां अप्रत्याशित रूप से बाढ़ आ सकती है या पानी ओवरफ्लो हो सकता है। खराब दृश्यता के कारण भारी बारिश में गाड़ी चलाने से बचें। यदि संभव हो तो, अपनी गाड़ी पार्क करें और तब तक प्रतीक्षा करें जब तक बारिश धीमी ना हो जाए या रुक न जाए उसके बाद ही अपनी यात्रा जारी रखें। बाढ़ वाली सड़क पर गाड़ी चलाने की कोशिश न करें ।पानी दिखने से ज्यादा गहरा और तेज हो सकता है और उसमें मालवा नुकीली या खतरनाक चीजें, गड्ढे या बिजली के तार हो सकते हैं। तेज बहाव या बाढ़ के पानी में फंसने पर वहां स्थिर हो सकते हैं या बह भी सकते हैं। वाहन को विस्थापित करने के लिए बस कुछ इंच पानी ही काफी होता है। बिजली के लाइनों या विद्युत तारों से दूर रहे। यदि आपको कोई बिजली का तार टूटा हुआ दिखाई दे तो वहां से दूर रहे और इसकी सूचना तुरंत अधिकारियों को दे।घर के अंदर जनरेटर का उपयोग न करें। जनरेटर में कार्बन मोनोऑक्साइड उत्पन्न होती है, जो घातक हो सकती है। बाढ़ का पानी दूषित हो सकता है उसके उसमें मलबा या तेज बहाव जैसे खतरे छिपे हो सकते हैं।

बाढ़ के पानी में तैराकी ना करें। संभावित खतरों के कारण बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों को मनोरंजक गतिविधियों से बचे। स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां को नजरअंदाज न करें। स्वच्छ पानी पिएं, सड़क पर बिकने वाले खाद्य पदार्थों से बचें और मच्छर जनित बीमारियों के से बचाव के लिए सावधानी बरते। बाढ़ की चेतावनी एवं अलर्ट तथा मौसम चेतावनियों की जानकारी रखें।

जिला प्रशासन आमजन से अपील करता है कि अफवाहों से बचें, प्रशासन द्वारा जारी सूचना एवं दिशा-निदेर्शों का पालन करें, और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत नियंत्रण कक्ष नंबर - 9006963963, 9631155933, 9065370630, 06436-356485, 06436-222101, 06436-222202 या प्रशासन से संपर्क करें।

विश्व युवा कौशल दिवस पर भव्य कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

साहिबगंज : युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अधीन मेरा युवा भारत साहिबगंज इकाई द्वारा आज दिनांक विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र, आजाद नगर, साहिबगंज में एक जागरूकता व प्रेरणात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा प्रतिभागियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर पूर्व स्वयंसेवक चंदन कुमार ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में घोषित किया था, जिसका उद्देश्य युवाओं को रोजगार, बेहतर कार्य अवसरों और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशलों से सशक्त बनाना है।वर्ष 2025 में विश्व युवा कौशल दिवस की 10वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। इस वर्ष का विषय

₹कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण रखा गया है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने चौथी औद्योगिक क्रांति और एआई की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की।कार्यक्रम में उपस्थित कौशर अंसारी ने कहा कि एआई हमारे जीने, सीखने और काम करने के तरीके को बदल रहा है। उन्होंने सतत विकास लक्ष्य 4 का उल्लेख करते हुए सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और जीवनपर्यंत सीखने के अवसर सुनिश्चित करने की बात कही।कार्यक्रम निदेशक अमित कुमार ने तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि टीभीईटी युवाओं को ना केवल रोजगार योग्य बनाता है। बल्कि उन्हें स्व-रोजगार के लिए भी सक्षम बनाता है। इससे उत्पादकता, वेतन स्तर और समुदाय की कौशल मांगों के प्रति जागरूकता में भी वृद्धि होती है।इस प्रेरणादायक कार्यक्रम में सैकड़ों युवा प्रतिभागी मौजूद रहे।

मेला क्षेत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हो रहा आयोजन

देवघर : राजकीय श्रावणी मेला, 2025 के मद्देनजर बाबा नगरी आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के साथ-साथ भक्तिमय मनोरंजन का भी उचित प्रबंध किया गया है। इसी कड़ी में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों के सफल आयोजन को लेकर बाबा बैद्यनाथ धाम में चार सांस्कृतिक मंच बनाए गए हैं, जो कि दुम्मा, कोठिया बस स्टैंड, बाघमारा बस स्टैंड, आध्यात्मिक भवन, सरासनी एवं बीएड कॉलेज शामिल हैं। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धालुओं के भक्तिमय मनोरंजन का खयाल रखा जा रहा है, जिससे भीड़ नियंत्रित करने में भी काफी मदद मिल रही है। इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए स्थानीय कलाकारों द्वारा श्रद्धालुओं को भक्तिमय संगीत के साथ साथ भगवान शिव की कथा, भजन व शिव तांडव की प्रस्तुति दी जा रही है। ताकि बाबा बैद्यनाथ के श्रद्धालु को हर्ष, आनंद, उल्लास और प्रसन्नता की अनुभूति प्राप्त हो सकें।

झमाझम बारिश से किसानों के चेहरे खिले, धान रोपनी में अब आएगी तेजी

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : उधवा प्रखंड और आसपास के क्षेत्रों में पिछले कुछ दिनों से चले आ रहे सूखे और भीषण गर्मी के बाद आखिरकार मॉनसून ने अपनी पूरी कृपा बरसाई है। लगातार हुई झमाझम बारिश से किसानों के मुरझाए चेहरे फिर से खिल उठे हैं, और अब धान की रोपनी के काम में तेजी आने की पूरी उम्मीद है। इस बारिश ने उन किसानों के लिए बड़ी राहत लाई है जो पानी की कमी के कारण काफी चिंतित थे। मिली जानकारी के अनुसार उधवा प्रखंड में बीते 24 से 48 घंटों के दौरान लगभग 50 मिलीमीटर (करीब 2 इंच) से अधिक वर्षा दर्ज की गई है। इस अच्छी बारिश के कारण खेतों में पर्याप्त मात्रा में पानी जमा हो गया है, जो धान की फसल के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। पानी की उपलब्धता से अब किसान बिना किसी देरी के अपने खेतों में धान की रोपाई शुरू कर सकेंगे। पिछले कई दिनों से बारिश न होने के कारण किसान गहरे

संकट में थे। कई जगहों पर धान की नर्सरी सूखने लगी थी और खेतों में दरारें पड़ चुकी थीं। किसानों को अपनी कड़ी मेहनत बर्बाद होने का डर सता रहा था। लेकिन अब यह बारिश उनके लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है। इस वर्षा से न केवल धान की रोपनी को गति मिलेगी, बल्कि इससे फसल की बुवाई और अंततः पैदावार पर भी सकारात्मक असर पड़ने की उम्मीद है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि सही समय पर हुई यह बारिश धान की फसल के लिए आदर्श है। अब किसान अधिक उत्साह के साथ खेतों में काम कर रहे हैं और उन्हें इस साल धान की अच्छी उपज की आशा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकेगी।

अस्पताल परिसर की नालियों की प्रतिदिन सफाई सुनिश्चित करें : सिविल सर्जन

साहिबगंज:सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान द्वारा देर रात्रि सदर अस्पताल साहिबगंज का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के क्रम में उन्होंने ड्रेसिंग रूम का जायजा लिया। उन्होंने स्टाफ द्वारा ₹सिंगल नीडल, सिंगल पर्सन की नीति का सख्ती से पालन हेतु सख्त निर्देश दिये।जनरल ऑपरेशन थिएटर ओटी की सफाई कराने तथा फ्युमिगेशन प्रक्रिया नियमित रूप से कराने का निर्देश दिया।अस्पताल परिसर की नालियों की प्रतिदिन सफाई सुनिश्चित करने का आदेश दिया।उन्होंने विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई में सफाई और स्वच्छता को लेकर स्टाफ को विशेष निर्देश दिए।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने की मांग की

संवाददाता

दुमका : अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को जिला अधिवक्ता संघ के सचिव राकेश कुमार यादव को ज्ञापन सौंप कर जिला अधिवक्ता संघ के परिसर में संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने की माँग किया है। ज्ञापन के माध्यम से अधिवक्ताओं ने कहा कि जिला अधिवक्ता संघ, दुमका के कोर्ट परिसर में संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाई जाय, इससे आम लोगों में जागरूकता एवं अधिवताओं में कानून के प्रति सम्मान बढेगा। डॉ. भीमराव अंबेडकर एक महान् कानून विद और समाज सुधारक थे। जिन्होंने समाज के वंचित वर्गों के लिए काम किया और समानता और न्याय के लिए लड़ाई लड़ी। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर केवल दलितों के नहीं, पुरे देश के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनका योगदान भारतीय संविधान, लोकतंत्र और

न्याय प्रणाली में अमूल्य है। उनकी प्रतिमा लगना न्यायपालिका की गरिमा को बढ़ाएगा। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगने से मुक्कीलों, वकीलों को न्याय और सामाजिक न्याय के प्रति प्रेरणा मिलेगी। इस प्रतिमा के माध्यम से हम बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर के आदर्श और मूल्यों को प्रोत्साहित करना चाहते हैं और हमारे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना चाहते है। ज्ञापन लेने के बाद संघ के सचिव ने कहा की यह एक बहुत अच्छी पहल है। इसको हम कार्यकारिणी की बैठक में रखकर प्रतिमा लगाने की पहल करेंगे। ज्ञापन में अधिवक्ता डॉ. सिकन्दर कुमार, डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव, मीलू रजक, मोहम्मद अंसारी, धर्मेंद्र नारायण प्रसाद, पंकज कुमार यादव, जयकांत यादव, प्रियंका झा, सत्यनारायण भगत, दिलीप कुमार मंडल,इत्यादि शामिल थे

विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : उधवा प्रखंड सभागार में मंगलवार को एसडीओ सदानंद महतो की अध्यक्षता में विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण 2026 के लिए सेविकाओं सह बीएलओ बूथ लेवल ऑफिसर के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण के पहले दिन, बूथ संख्या 255 से 297 तक की सेविकाओं और बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान एसडीओ सदानंद महतो ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण किया जाएगा।प्रशिक्षक भारत मंडल ने विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि जिन लोगों का जन्म वर्ष 1987 से पहले हुआ है और उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज है, उन्हें किसी दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी। हालांकि, जिन लोगों का जन्म 1 जुलाई

1987 और 2 दिसंबर 2004 के बीच हुआ है और उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज है, उन्हें अपनी जन्म तिथि या जन्म स्थान को प्रमाणित करने के लिए कोई एक दस्तावेज जमा करना होगा। इसके अतिरिक्त यह भी बताया गया कि जिनका जन्म 2 दिसंबर 2004 के बाद हुआ है, उन्हें अपना जन्म प्रमाण पत्र जन्म स्थान, या माता-पिता का जन्म प्रमाण पत्र जन्म स्थान का दस्तावेज उपलब्ध कराना होगा। प्रशिक्षण में बताया गया कि सरकार द्वारा जारी पहचान पत्र जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, शैक्षणिक प्रमाण पत्र निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र जाति प्रमाण पत्र सहित अन्य कई दस्तावेजों को इस प्रक्रिया में मान्यता दी जाएगी। इस अवसर पर बीडीओ सह सीओ जयंत कुमार तिवारी, बीआरपी सह पर्यवेक्षक बैद्यनाथ ठाकुर, बाबूलाल मंडल शिवराम मुर्मू, उदय मंडल, इलेक्शन नोडल सूरज टुडू, निर्वाचन ऑपरेटर देवाशीष साहा, सेविका अजमीरा खातून, शहनाज परवीन, सुशीला देवी, भारती मंडल रानी बीबी, मीरा कुमारी सहित अन्य कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

127519 श्रद्धालुओं ने किया बाबा पर जलाभिषेक

संवाददाता

देवघर : राजकीय श्रावणी मेला, 2025 के पांचवा दिन आज श्रद्धालुओं की कतार बीएड कॉलेज तक पहुँची, जिसके पश्चात अहले सुबह 04:16 बजे से जलार्पण शुरू हुआ। इसके अलावा जलार्पण करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 1,27,519 है। साथ ही बाह्य अर्घा के माध्यम से 26,538, आंतरिक अर्घा से 96,235 एवं शीघ्र दर्शनम कूपन 4746 से श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया।

प्रशासन की सतर्कता एवं स्वास्थ्य विभाग की तत्परता बनी श्रद्धालुओं का संबल

बासुकीनाथ : बाबा नगरी बासुकीनाथ धाम में लगीश्रावणी मेला 2025 के सफल संचालन के साथ-साथ श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से मेला क्षेत्र में व्यापक स्वास्थ्य व्यवस्था की गई है। अब तक 17,000 से अधिक श्रद्धालु विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों में स्वास्थ्य सेवा का लाभ ले चुके हैं। मौके पर उपस्थित जरमुंडी प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.सुनील कुमार सिंह ने बताया किमेला क्षेत्र में स्थापित 19 स्वास्थ्य शिविरों में श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार, चोट अथवा पैर में छाले जैसे सामान्य लेकिन कष्टकारी कांवड़ियों की परेशानियों का तत्परता से इलाज किया जा रहा है।स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा छोटे बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स जैसी जरूरी खुराकें दी जा रही हैं,2204 बच्चों को पोलियो ड्रॉप अब तक पिलायी गयी है। भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में

श्रद्धालुओं तक शीघ्र पहुँचने के लिए बाइक एम्बुलेंस की सेवा अत्यंत कारगर सिद्ध हो रही है। असहाय, बीमार अथवा अधिक थकान महसूस करने वाले श्रद्धालुओं को बाइक एम्बुलेंस के माध्यम से तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र तक पहुँचाया जा रहा है। हर शिविर में योग्य डॉक्टरों, नर्सों और पारा मेडिकल स्टाफ की टीम चौबीसों घंटे उपलब्ध है। गंभीर मरीजों के लिए ऑक्सीजन सपोर्ट जैसी जरूरी सुविधा उपलब्ध है।

न्यूज IN ब्रीफ

जल निकासी न होने से घरों में घुस रहा बारिश का पानी

साहिबगंज/उधवा :उधवा प्रखंड की पतौड़ा पंचायत अंतर्गत पहाड़ गांव में इन दिनों बारिश का पानी लोगों के घरों में घुस रहा है। जिससे उनका जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। इस गंभीर समस्या की मुख्य वजह जल निकासी की उचित व्यवस्था का अभाव और निमार्णाधीन फोरलेन सड़क पर पुल का न होना बताया जा रहा है।जानकारी के मुताबिक उधवा मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर स्थित पहाड़ गांव एक निचले

इलाके में बसा है। यहाँ फोरलेन सड़क का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है लेकिन फोरलेन निर्माण विभाग ने बस्ती के पास पुल का निर्माण नहीं किया है। इसका सीधा खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। क्योंकि बारिश का पानी सीधे उनके घरों में भर जाता है। इस विकट स्थिति से जूझ रहे ग्रामीण मसीउर रहमान, अब्दुल वहाब, सफीक शेख, मरजानी शेख, अनारुल शेख आदि ने अपनी व्यथा बताते हुए कहा कि नाला बंद होने के कारण उनके घरों में रोजाना पानी घुसने से भारी परेशानी हो रही है। हालात इतने खराब हैं कि ग्रामीणों को अपने घरों से पानी निकालने के लिए मोटर का सहारा लेना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित निर्माण कंपनी से तत्काल जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने और अधूरे पुल व नालियों का निर्माण कराने की मांग की है। ताकि बरसात के इस मौसम में उन्हें इस परेशानी से निजात मिल सके।

बीडीओ ने खेत में बीज लगाने की सलाह दी

साहिबगंज :सदर प्रखंड परिसर में स्थित आत्मा परियोजना कार्यालय में कुल 16 कृषकों को बिरसा फसल विस्तार योजना अंतर्गत खरीफ फसल हेतु पांच-पांच केजी का शंकर उड़द बीज प्रभेद -कोटा उरद चार प्रत्यक्षण हेतु कृषकों को प्रखंड विकास पदाधिकारी साहिबगंज बासुकीनाथ टुडू के द्वारा दिया गया।प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा उपस्थित कृषकों को प्रत्यक्षण हेतु बीज निश्चित रूप से अपने खेत में लगाने की सलाह दी गई।किसी प्रकार का फसल पर कीट प्रभाव या रोग की स्थिति में प्रखंड कार्यालय आकर कृषि स्नातक सहायक तकनीकी प्रबंधक नीरज सिंह एवं एग्री क्लीनिक के प्रखंड समन्वयक रणधीर कुमार से रोग निदान हेतु परामर्श कर सकते हैं।उपरोक्त प्रत्यक्षण बीज सिर्फ पूर्व चयनित ग्राम हेतु प्रगतिशील कृषकों को वितरित किया जा रहा है। वही प्रखंड कृषि पदाधिकारी राजीव पांडेय ने बताया की सदर प्रखंड पंचायत के गंगा प्रसाद पूर्व मध्य,गंगा प्रसाद पश्चिम मध्य,किशन प्रसाद,लाल बथानी उत्तर,एवं लाल बथानी दक्षिण के मुखिया के द्वारा चयनित 20-20 कृषकों को मक्का बीज वितरित किया जाएगा। साथ ही बीज प्राप्ति हेतु कृषकों को अपने पंचायत के जनप्रतिनिधि मुखिया की उपस्थिति में आधार कार्ड,मूल जमीन लगान रसीद,छाया प्रति सहित एवं अपना फोन नंबर फोन सहित लेकर आना है।उपरोक्त प्रत्यक्षण बीज का वितरण ब्लॉक बीज वितरण श्रृंखला सिस्टम के द्वारा कृषको के पंजीयन के उपरांत वितरित किया जाता है।मौके पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी राजीव पांडेय, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक अजय कुमार पुरी,कंप्यूटर ऑपरेटर प्रीति कुमारी, मोहम्मद हयात अहमद,कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रखंड कार्यालय के नव चयनित चौकीदार उपस्थित थे।

जनता दरबार में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने उपायुक्त के समक्ष रखी अपनी समस्या

साहिबगंज: समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला दंडाधिकारी -सह-उपायुक्त हेमंत सती ने जनता दरबार के माध्यम से आमजनों की समस्याएं सुनी।जनता दरबार में जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने अपनी समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया.उपायुक्त ने लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी। साथ ही उनके सामाधान को लेकर उन्हें आश्वस्त कराया।संज्ञान में आए हुए शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान करने की बात कही। गौरतलब है कि जनता दरबार के दौरान शिकायत के रूप में आए आवेदन विभिन्न विभागों व योजना से संबंधित एवं असंबंधित रहे।जनता दरबार में शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को उनका समाधान करने को लेकर निर्देशित किया।सभी आवेदनों की भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें।

मंदिर को दूसरे स्थान पर बनाने की मांग

साहिबगंज :तालझारी प्रखंड क्षेत्र के मोतीझरना एनएच 80 सड़क किनारे स्थित शिव मंदिर का भू अर्जन कार्यालय के द्वारा पूर्व में फोरलेन सड़क हेतु नापी किया गया था।जिसमें पूरा मंदिर सड़क के नापी में आ गया था जिसके कारण तब से मंदिर पर न रंग रोगन एवं मरंमती किया गया है। जिसके कारण मंदिर का छत टूट टूट कर गिर रहा है। और पूरा मंदिर जर्जर हो गया है।वही वर्तमान समय में मंदिर को फोरलेन से टूटने में बचा दिया गया है। लेकिन मंदिर सड़क से 15 फीट गहराई में हो जाने के कारण आसपास का पानी मंदिर में घुस जा रहा हैं। जिसके कारण स्थानीय लोगों को पूजा पाठ करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।जहां इस मामले को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने एनएचएआई व पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों को लिखित आवेदन देते हुए आग्रह किया है कि मंदिर की सारी समस्या को ध्यान में रखते हुए मंदिर को एक दूसरे स्थान पर स्थानांतरण कर बनवाने की कृपा करें ताकि सभी लोगों को पूजा पाठ करने में सुविधा मिले और मंदिर भी सुरक्षित हो सके।उधर इस मामले में स्थानीय ग्रामीणों ने उपायुक्त राजमहल एसडीओ व तालझारी सीओ को भी आवेदन दिया है।मौके पर मोतीझरना के ग्रामवासी के रूप में विनोद साह,अर्जुन ढाकर,जुली देवी,जितेन्द्र कुमार साह, सोपन ढाकर,सीमा देवी समेत अन्य महिला व पुरुष मौजूद थे।

मंईंयां सम्मान योजना की राशि लाभुकों के बीच भेजी गई

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा द्वारा जानकारी दी गयी कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईंयां सम्मान योजना के तहत माह मई 2025 को लाभुकों के बीच 2500 रुपए किस्त की राशी भेजी जा चुकी है, जिसमें से दस प्रखंड यथा देवघर, देवीपुर, करौं, मारगोमुण्डा, मधुपुर, मोहनपुर, पालोजोरी, सारठ, सारवां एवं सोनारायठाड़ी प्रखण्ड के कुल 2,45,520 सुयोग्य लाभुकों के बीच डीबीटी के माध्यम से राशि भेजी गई।

वेस्टइंडीज की शर्मनाक हार के बाद सीडब्ल्यूआई ने बुलाई आपात बैठक, दिग्गजों को किया आमंत्रित

एजेंसी

किंग्स्टन (जमैका) : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली शर्मनाक हार, खासकर अंतिम टेस्ट में महज 27 रन पर ढेर होने के बाद क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कड़ा कदम उठाया है। बोर्ड ने अपनी क्रिकेट स्ट्रैटेजी कमेटी की एक आपात बैठक बुलाई है, जिसमें सर क्लाइव लॉयड, सर विवियन रिचर्ड्स और ब्रायन लारा को विशेष आमंत्रण भेजा गया है। सीडब्ल्यूआई अध्यक्ष डॉ. किशोर शालो ने एक बयान में कहा, तुरंत प्रभाव से, मैंने क्रिकेट रणनीति और ऑफिशिएटिंग कमेटी के अध्यक्ष को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल की टेस्ट सीरीज, विशेष रूप से अंतिम मैच की समीक्षा हेतु आपात बैठक बुलाने की सलाह दी है। इस बैठक में पहले से ही शामिल पूर्व दिग्गज जैसे डॉ. शिवनारायण चंद्रपॉल, डॉ. डेसमंड हेन्स और इयान ब्रैडशॉ के साथ अब इन महान बल्लेबाजों की भी राय ली जाएगी।

पूर्व स्पिनर दिनानाथ रामनाराइन ने बोर्ड की आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर एक तीखा लेख साझा किया है। उन्होंने लिखा, ₹बोर्ड के सदस्य खुद को मनमाफिक वेतन देते हैं, खिलाड़ियों का चयन व्यक्तिगत निष्ठा के आधार पर होता है, और राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन को कोई महत्व नहीं दिया जाता। उन्होंने आगे कहा, ₹जहां प्रशंसक खामोशी के साथ इस खेल से दूर होते जा रहे हैं, वहीं अधिकारी कुर्सियों से चिपके हुए हैं। हार के बाद भी कोई आत्मचिंतन नहीं, कोई जवाबदेही नहीं।

रामनाराइन ने यह भी याद दिलाया कि यह वही प्रणाली है जिसकी वजह से वेस्टइंडीज को यूएसए जैसी टीम से 100 रन से हार का सामना करना पड़ा और अब 27 रन पर ऑल आउट होने जैसी शर्मिंदगी झेलनी पड़ी है।

सीडब्ल्यूआई अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि यह बैठक केवल प्रतीकात्मक नहीं है, ₹ये वही लोग हैं जिन्होंने हमारे क्रिकेट के स्वर्णिम युग को परिभाषित किया है। उनकी दृष्टि हमारे क्रिकेट के भविष्य को आकार देने में बेहद उपयोगी होगी। हमारा उद्देश्य इस बैठक से ठोस और क्रियान्वयन योग्य सुझाव प्राप्त करना है।₹

हालांकि बैठक कब और कहां होगी, इस पर आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। मगर इतना तय है कि वेस्टइंडीज क्रिकेट में यह एक बड़े बदलाव की शुरूआत हो सकती है।

भारत-इंग्लैंड अंडर-19 टेस्ट ड्रॉ, हामजा शेख के शतक ने इंग्लिश टीम को हार से बचाया

एजेंसी

बेकेनहम : भारत और इंग्लैंड के बीच बेकेनहम में खेला गया अंडर-19 टेस्ट मुकाबला मंगलवार को रोमांचक अंदाज में ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारत ने इंग्लैंड को जीत के लिए 63 ओवरों में 350 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसके जवाब में इंग्लैंड ने 7 विकेट पर 270 रन बनाकर मैच बचा लिया। अंतिम दिन की शुरूआत भारत ने 229 रनों की बढ़त और सात विकेट शेष रहते की थी। विहान मल्होत्रा (63) ने तेज शुरूआत करते हुए कुछ आकर्षक शॉट्स खेले, लेकिन वह एलेक्स ग्रीन की गेंद पर विकेटकीपर थॉमस रियू को कैच दे बैठे। बारिश के चलते खेल थोड़ी देर बाधित हुआ, लेकिन फिर खेल शुरू होते ही भारत को झटके लगे। ग्रीन और मिंटो ने क्रमशः अभिज्ञान कुंडू (11) और राहुल कुमार (11) को पवेलियन भेजा। आर्ची वॉन (6/84) ने मोहम्मद इनान (5), हेनिल पटेल (0) और दीपेश देवेन्द्रन (4) को आउट कर भारत को संकट में डाला, लेकिन आर.एस. अम्बरीश ने 53 रनों की तेज पारी खेलते हुए भारत को 248 तक पहुंचाया। उन्हें मेयस ने

रन आउट किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरूआत खराब रही और तीन विकेट जल्दी गिर गए। लेकिन फिर हामजा शेख (112) और बेन मेयस (51) ने 119 रनों की साझेदारी कर टीम को संभाला। मेयस के आउट होने के बाद थॉमस रियू (50) ने आक्रामक रुख अपनाया और इंग्लैंड को जीत की उम्मीद दी। हालांकि दो तेज रन आउट–शेख और एकांश सिंह–ने भारत को मैच में वापसी का मौका दिया। इसके बाद रियू भी आउट हो गए, लेकिन राल्फी एल्बर्ट और जैक होम ने अंतिम 11.5 ओवरों तक टिककर खेला और इंग्लैंड को हार से बचा लिया।

एसएस राजामौली की फिल्म में आर माधवन की एंट्री?

फेमस एक्टर आर माधवन एक हजार करोड़ की फिल्म में एंट्री करने जा रहे हैं! जी हां, वो एसएस राजामौली की SSMB29 में बड़ा रोल निभा सकते हैं। इसमें महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। ये एक जंगल-एक्शन एडवेंचर मूवी होगी।

बाहुबली और RRR जैसी सुपरहिट फिल्मों को देखने के बाद अब फैंस को एसएस राजामौली की अगली फिल्म का इंतजार है। वो महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा के साथ एक जंगल एडवेंचर बना रहे हैं। अब खबर आई है कि इसमें रहना है तेरे दिल में एक्टर आर माधवन की एंट्री हो गई है। एसएस राजामौली की आने वाली फिल्म SSMB29 के फैंस के लिए ये एक बड़ी खबर है। 3 इडियट्स जैसी हिट फिल्मों के लिए फेमस आर माधवन को इस 1,000 करोड़ रुपये की एपिक मूवी में दमदार रोल निभा सकते हैं। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। इस फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। ये पहली बार होगा, जब राजामौली और माधवन साथ में काम करेंगे।

फिल्म के बारे में सबकुछ सीक्रेट

बात करें राजामौली की फिल्म की तो इसके बारे में सबकुछ काफी सीक्रेट रखा जा रहा है। इसमें एक्शन-एडवेंचर होगा। राजामौली ने 2024 में केन्या में एक लोकेशन भी देखा था, जहां फिल्म का कुछ हिस्सा फिल्माया जाएगा। इस फिल्म के संगीत की कमान एमएम कीरवानी के हाथों में है।

महेश को जापान लेकर जाएंगे राजामौली

इससे पहले जापान में RRR की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान राजामौली ने इस प्रोजेक्ट के बारे में एक छोटी लेकिन प्यारी सी जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था, उनका नाम महेश बाबू है, वे एक तेलुगु एक्टर हैं (लोग उन्हें खूब पसंद करते हैं)। ऐसा लगता है कि आप में से कई लोग उन्हें पहले से ही जानते हैं। वे बहुत हैंडसम हैं। उम्मीद है कि हम फिल्म को थोड़ा जल्दी खत्म कर लेंगे और रिलीज के दौरान मैं उन्हें यहां लाऊंगा और आपसे उनका परिचय करवाऊंगा। मुझे यकीन है कि आप भी उन्हें पसंद करेंगे।

कुटिंग्स यूनिवर्स में दर्शकों को पसंद आएगी मेरी कहानी

अभिनेत्री सना सुल्तान को एएलटीटी की नई वर्टिकल सीरीज कुटिंग्स के लिए चुना गया है। सना कुटिंग्स यूनिवर्स के एक एपिसोड 'आशिक अरबपति में नजर आएंगी। सीरीज के बारे में अपने विचार को व्यक्त करते हुए उन्होंने बताया कि यह महिला के व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं पर आधारित है। दर्शकों को यह कहानी जरूर पसंद आएगी। सीरीज के बारे में सना ने बताया, कुटिंग्स एक वर्टिकल ड्रामा सीरीज है। यह एक खूबसूरत फॉर्मेट है, जिसमें रोमांच, रहस्य, भावनाएं, प्यार, नफरत सब कुछ छोटे-छोटे एपिसोड में समाहित हैं।

फॉर्मेट के बारे में अपनी पसंद को जाहिर करते हुए उन्होंने बताया, मुझे जो सबसे ज्यादा पसंद है, वह यह है कि इतने कम समय में बहुत कुछ अनुभव करने या सीखने को मिला। यह एक बहुत ही रोमांचक कॉन्सेप्ट है और मुझे विश्वास है कि लोग इसे पसंद करेंगे और इससे जुड़ाव महसूस करेंगे। सना ने आगे बताया, मेरी कहानी में आप सब कुछ देख सकेंगे। यह एक ऐसी लड़की की कहानी है, जिसके दो पक्ष हैं। वह एक तरफ तो नरम है, वहीं दूसरी ओर सख्त भी है। मैं यह कह सकती हूं कि मेरी कहानी बहुत ही शानदार और दर्शकों को पसंद आने वाली है और एक महिला के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को छूती है।

सना ने खुलासा किया कि जब उन्हें यह ऑफर हुआ तो उन्होंने बिना देरी किए झट से हां कह दिया था। उन्होंने बताया, खुद एक कंटेंट क्रिएटर होने के नाते मैं रील और शॉर्ट-फॉर्म वीडियो के क्रेज को समझती हूं। इसलिए, मुझे इसकी खूबियों के बारे में अच्छी तरह से पता था। सना ने कहा, लोग इसे देखेंगे तो पसंद करेंगे। क्योंकि, इसकी क्वालिटी और स्टोरी दोनों बेजोड़ हैं। यह घर पर शूट किया गया एक रील नहीं, यह एक अच्छी तरह से निर्मित शो है, जो एक छोटे, वर्टिकल फॉर्मेट में एक फिल्म देखने जैसा अनुभव देगा।

फिल्म भूल चूक माफ रिलीज के विवाद का वामिका पर नहीं पड़ा फर्क

23 मई को सिनेमाघरों में राजकुमार राव और वामिका गब्बी की फिल्म भूल चूक माफ रिलीज हुई। रिलीज के वक्त फिल्म विवादों में आ गई। फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म को इसे सिनेमाघरों में रिलीज करने से पहले डिजिटल रिलीज करने का फैसला किया था। हालांकि, मल्टीप्लेक्स चेन पीवीआरआईनोक्स ने निर्माताओं के फैसले को चुनौती देते हुए अदालत का रुख किया था। इसके बाद फिल्म 23 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। बातचीत में वामिका ने इस बारे में बात की कि क्या उन्हें इस पूरे मामले से कोई फर्क पड़ा? इस पर वामिका गब्बी ने कहा इससे मुझ पर कोई असर नहीं पड़ा। मैंने जिंदगी में इतना कुछ देखा है कि इससे प्रभावित नहीं हुई! यह मेरे लिए बहुत बड़ा पल था। मैं टूट सकती थी। मैं कई तरह की भावनाओं से गुजर सकती थी। लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि मैंने बहुत कुछ देखा है। यह मेरे हाथ में नहीं था।

कई बार चीजें मेरे हाथ में नहीं होतीं

वामिका गब्बी ने आगे बताया कि मुझे कई बार अस्वीकार किया गया। मैंने देखा है कि वादे किए गए और फिर उन्हें पूरा नहीं किया गया। मैंने अपना पूरा भरोसा उन प्रोजेक्ट्स में लगाया, जिनके बारे में मुझे लगा कि यह मेरे करियर या मेरी जिंदगी को बदल देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुझे समझ में आया कि यह मेरे हाथ में नहीं है। इन सबके बावजूद, मेरी तरक्की हो रही थी।

मेरे लिए अपनी बेटी को बड़े होते देखना सबसे खूबसूरत सिनेमा है

एक्टर अली फजल अपनी आने वाली फिल्म मेट्रो... इन दिनों की रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। इंटरव्यू में उन्होंने अपने सबसे खास सिनेमाई पलों को लेकर खुलासा किया और कहा कि उनके लिए सबसे खूबसूरत सिनेमा अपनी बेटी को बड़े होते हुए देखना है। इंटरव्यू के दौरानजब अली से सवाल पूछा, जिज्ञासा और अवलोकन, क्या आप इन्हें किसी कलाकार की असली पूंजी मानते हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए अली फजल ने कहा, हां, मैं ऐसा मानता हूं। मैं हाल ही में पिता बना हूं और मुझे लगता है कि मेरी जिंदगी का सबसे खूबसूरत सिनेमा अपनी 10 महीने की बेटी को बड़ा होते देखना है। इसमें वही दो बातें हैं, जो कलाकार के लिए जरूरी होती हैं, जिज्ञासा और अवलोकन। एक छोटे बच्चे में जो मासूमियत और अनजानापन होता है, वही उसे खास बनाता है।

रणबीर और रणवीर के बीच में है ईगो क्लैश? करण जौहर ने बताई पूरी सच्चाई

रणबीर कपूर और रणवीर सिंह बॉलीवुड के दो नए सुपरस्टार हैं। दोनों ने अपने अभिनय से इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फैंस दोनों की ही फिल्मों का बड़ी बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। हालांकि, दोनों को लेकर तरह-तरह की खबरें भी सामने आती रहती हैं। बीच में इन दोनों स्टार्स के बीच में ईगो क्लैश की खबरें भी सामने आई थीं। अब निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने इन खबरों और दोनों के बीच ईगो की लड़ाई को लेकर असलियत बताई है।

दोनों के बीच में कोई ईगो नहीं

बॉलीवुड हंगामा के साथ अपनी हालिया बातचीत में करण जौहर ने रणबीर कपूर और रणवीर सिंह के बीत ईगो क्लैश को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने इस बारे सच्चाई बताते हुए कहा, 'हर कोई एक-दूसरे को बहुत समझता है। दोनों के बीच में कोई अहंकार नहीं है। यह सब उस नजर या लेंस से देखने का बहुत पुराना तरीका है। मैं नहीं देखता और मुझे यकीन है कि वे भी नहीं देखते हैं। मुझे नहीं लगता दोनों के बीच में किसी तरह का कोई ईगो है।'

दोनों एक-दूसरे के काम पर फीडबैक देते हैं

करण जौहर ने दोनों एक्टर्स के बीच एक-दूसरे को कॉम्प्लीमेंट देने और सलाह देने के समय को भी याद किया। निर्माता ने बताया कि कैसे दोनों ने एक-दूसरे की फिल्म के बाद उन्हें फीडबैक दिया। करण ने कहा, मुझे याद है कि 'ऐ दिल है मुश्किल' देखने के बाद रणवीर सिंह मेरे घर आए और मुझे फिल्म को लेकर अपना व्यू बताया।जो कि वाकई में काफी कमाल था। फिर रणबीर ने मुझे 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' पर फीडबैक दिया। मुझे लगता है कि हम सभी किसी भी चीज से बढ़कर दोस्त हैं।

'रामायण' और 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगे रणबीर

वर्कफ्रंट की बात करें तो रणबीर कपूर इन दिनों अपनी एपिक सागा फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म में रणबीर भगवान राम की भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा रणबीर कपूर आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ लव एंड वॉर में भी नज़र आएंगे। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं।

'धुरंधर' में नजर आएंगे रणवीर सिंह

इसके अलावा अगर रणवीर सिंह के वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'धुरंधर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके अलावा वह एक्शन थ्रिलर 'डॉन 3' में भी नजर आएंगे। फिल्म की घोषणा 2023 में की गई थी, लेकिन अभी तक फ्लोर पर नहीं आई है।

राजस्थान में बारिश का कहर, दो दिन में 18 लोगों की मौत, 28 जिलों में अलर्ट

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान में मानसून की अच्छी बारिश से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। बीते दो दिनों में वर्षाजनित विभिन्न हादसों में 18 लोगों की मौत हो चुकी है। तेज बरसात से कई जिलों में जलभराव, यातायात बाधित होने और मकान गिरने जैसी घटनाएं सामने आई हैं। मौसम विभाग ने बुधवार को प्रदेश के 28 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें बारां और झालावाड़ जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। वहीं जयपुर में मंगलवार देर रात से शुरू हुई बारिश बुधवार सुबह तक भी जारी रही, जिससे शहर के कई

इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को कोटा, उदयपुर, भरतपुर व बीकानेर संभाग में कुछ भागों में भारी, अतिभारी बारिश होने की संभावना है। आज बारां और झालावाड़ में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं कोटा, बूंदी, बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं, सीकर, जयपुर, अलवर, दौसा, भरतपुर, करौली, धौलपुर, सवाई माधोपुर, नागौर, अजमेर, टोंक, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा, उदयपुर, राजसमंद और सिरोही जिले के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। मंगलवार को राज्य में सबसे ज्यादा 13 मिलीमीटर बारिश बीकानेर में दर्ज की गई। वही राज्य में सर्वाधिक तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस जैसलमेर में दर्ज किया गया है। राज्य के कई जिलों में मंगलवार को तेज बारिश दर्ज की गई। जयपुर, चूरू, बीकानेर, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। चूरू जिले के सुजानगढ़ कस्बे में स्थित एक श्मशान घाट पानी में डूब गया, जिससे अंतिम संस्कार में बाधा आई। भाजपा नेता कमल दाधीच ने वहां 125 फीट लंबा अस्थायी पुल बनवाकर शवयात्रा निकलवाई। बूंदी जिले में मेज नदी के उफान पर आने से कई गांवों का संपर्क मुख्य सड़क मार्ग से कट गया है। वहीं जोधपुर में तेज बारिश के कारण साबरमती से आने वाली एक ट्रेन को रद्द करना पड़ा। राजसमंद जिले के कांकरोली क्षेत्र में सोमवार देर रात डेढ़ से दो बजे के बीच एक दो मंजिला मकान गिर गया। मलबे में दबने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई और उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई।। राज्य में वर्षाजनित हादसों में कोटा और चित्तौड़गढ़ जिलों में चार-चार, प्रतापगढ़ में तीन, चूरू में दो तथा राजसमंद, भरतपुर, अलवर, पाली और धौलपुर में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। कोटा में चंबल नदी में बहे छह लोगों में से दो के शव मंगलवार को बरामद हुए। चूरू में बारिश के दौरान बिजली गिरने और करंट लगने की घटनाएं सामने आई हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार राज्य में भारी बारिश का यह सिलसिला 17 जुलाई के बाद धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगेगा। वहीं 19 जुलाई से मानसून के ब्रेक स्पेल की शुरूआत होने की संभावना है, जिसके चलते अधिकांश जिलों में मौसम शुष्क रहेगा और केवल कुछ ही स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है।

ताइवान में चीन की सैन्य हलचल बढ़ी

एजेंसी

ताइपे (ताइवान) : ताइवान का स्वतंत्र राष्ट्र होना चीन को फूटी आंख नहीं सुहाता। उसकी हरचंद कोशिश है कि ताइवान चीन का हिस्सा बने। वह लंबे समय से इस कोशिश में लगा हुआ है। ताइवान के आसपास चीन के लड़ाकू विमान मंडराते रहते हैं। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा कि आज सुबह देश के हवाई और जल क्षेत्र में चीन की सैन्य गतिविधियां देखी गईं। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने एक्स पोस्ट में कहा कि आज सुबह 6:00 बजे (स्थानीय समय) चीन के 18 सैन्य विमान, सात नौसैनिक जहाज और दो आधिकारिक जहाज देखे गए। 18 सैन्य विमानों में से छह मध्य रेखा को पार कर देश के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश कर गए। चीन की कार्रवाई के जवाब में सशस्त्र बलों ने सैन्य विमान, नौसैनिक जहाज और तटीय मिसाइल प्रणालियां तैनात कीं। रक्षा मंत्रालय ने एक अन्य एक्स पोस्ट में कहा कि मंत्री वेलिंगटन कू ने कल रात रन-वे की मरम्मत में जुटे सैनिकों का कुशलक्षेम जानने के लिए हुआलिएन का दौरा किया।

उल्लेखनीय है कि कल (15 जुलाई) भी चीन के सैन्य विमानों ने ताइवान में घुसपैठ की थी। राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा था कि सुबह ताइवान के आसपास 26 चीनी सैन्य विमानों, सात नौसैनिक जहाजों और एक आधिकारिक जहाज को सक्रिय होते देखा गया। चीन के 26 सैन्य विमानों में से 21 ने उल्लंघन कर ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। इससे पहले 12 जुलाई को भी चीन ने ताइवान में घुसपैठ की थी। तब ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि ताइवान के आसपास चीन के 14 सैन्य विमानों, नौ नौसैनिक जहाजों और एक आधिकारिक जहाज को देखा गया। ताइपे टाइम्स अखबार की हालिया खबर के अनुसार, चीन अपने जहाजों के माध्यम से ताइवान इलाके में गुआम के आसपास समुद्री तल का मानचित्रण कर रहा है। इससे उसे समुद्र के नीचे केबल बिछाने में मदद मिल सकती है और वह इसका सैन्य उपयोग भी कर सकता है।

उत्तराखंड के तीन जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

एजेंसी

देहरादून : उत्तराखंड में बारिश आफत बनकर बरस रही है। नदियां और गाद-गदेरे पूरे उफान पर हैं। आज भी मौसम का मिजाज पहाड़ों से लेकर मैदानों तक बदला हुआ है। बादलों के बीच से छन-छन कर धूप आ रही है। मौसम विभाग ने आज बुधवार को राज्य के तीन जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने स्थानीय प्रशासन को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश जारी किए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक विक्रम सिंह के अनुसार आज नैनीताल, चमोली और बागेश्वर जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही चंपावत, ऊधमसिंहनगर, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और देहरादून में भी गरज के साथ बिजली

चमकने और तेज बारिश की चेतावनी दी गई है। इन इलाकों में कहीं-कहीं 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का भी अनुमान है। चारधाम यात्रा पर बारिश का असरयमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ व बदरीनाथ क्षेत्र में लगातार बारिश से सड़क व पैदल मार्गों पर फिसलन बढ़ने के साथ ही भूस्खलन भी कई जगह हो रहा है। हालांकि प्रशासन लगातार सड़कों से मलबा हटा रहा है लेकिन पहाड़ों से पत्थर गिरने का खतरा लगातार बना हुआ है। स्थानीय प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि मौसम की जानकारी लेने के बाद ही चारधाम की यात्रा करें। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को कालसी-चकराता मोटर मार्ग पर जजरेट के पास मलबा आने से मार्ग बंद हो गया था। यहां मार्ग बंद होने से करीब 300 यात्री वाहन काफी देर तक फंसे रहे थे।

ओल्ड गोविंदपुरी में घर में लगी भीषण आग, दो की मौत, चार लोगों को बचाया गया

एजेंसी

नई दिल्ली : ओल्ड गोविंदपुरी इलाके की बंद गली में मंगलवार रात एक रिहायशी मकान में आग लगने से अफरातफरी मच गई। आग की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य को पुलिस व दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला। घायलों में से दो को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, घटना की सूचना मंगलवार रात करीब 8:46 बजे जगतपुरी थाने में मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। दमकल की गाड़ियों को भी तत्काल मौके पर रवाना किया गया। घटना स्थल पर पता चला कि मकान में 10 लोग फंसे हुए थे। रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें 6 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। जबकि चार लोग झुलस गए। उन्हें आनन-फानन में डॉ. हेडगेवार अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान तनवीर (28), निवासी गोविंदपुरी और नुसरत, निवासी गोविंदपुरी के रूप में हुई है। घायल दो अन्य व्यक्तियों में फैजल, निवासी कसाईवाली गली, खुरेजी खास और आसिफ (18) शामिल हैं। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। अभी तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रंप का पूरा जोर टेक्सास पर, कांग्रेस में मजबूत स्थिति के लिए जीतना चाहते हैं पांच सीट

एजेंसी

वाशिंगटन : संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस समय सबसे बड़ी चिंता कांग्रेस में रिपब्लिकन की मजबूत स्थिति को बरकरार रखना है। उन्होंने पार्टी के सामने टेक्सास की पांच सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। ट्रंप ने कहा कि यह असंभव नहीं है। अगर मेहनत की जाए तो पार्टी पांच सीटें जीत सकती है। एनबीसी न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, इस समय रिपब्लिकन का टेक्सास के 38 कांग्रेसी जिलों में से 25 पर नियंत्रण रखते हैं। ट्रंप अगले सप्ताह के विशेष विधायी सत्र में पांच और सीटें बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। उनका फोकस दक्षिण टेक्सास के दो जिले

हैं। यहां डेमोक्रेटिक प्रभावी हैं। पिछले साल ट्रंप ने प्रतिनिधि हेनरी क्यूएलर के जिले में 7 अंकों और प्रतिनिधि विसेंट गोंजालेज के जिले में 4 अंकों से बढ़त हासिल की थी। क्यूएलर ने अपनी सीट 6 अंकों से कम अंतर से जीती, जबकि गोंजालेज ने 3 अंकों से कम अंतर से। डेमोक्रेटिक जिलों में रिपब्लिकन मतदाताओं को लुभाने की कोशिश से रिपब्लिकन-नियंत्रित जिलों में प्रतिस्पर्धा बढ़ने की संभावना है। ट्रंप ने गवर्नर ग्रेग एबॉट पर इसके लिए दबाव बनाया है। स्टीव कोनैर्की ने हाल ही में उल्लेख किया है राष्ट्रपति की पार्टी ने पिछले 15 मध्यावधि चुनाव में से 13 में हाउस सीटें गंवाई हैं। सेन जॉन कॉर्निन को राज्य के अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन से रिपब्लिकन प्राइमरी में चुनौती मिल रही है। एक्स पोस्ट में उन्होंने तर्क दिया, ₹टेक्सास में हिस्पैनिक मतदाता तेजी से रिपब्लिकन के पक्ष में आ गए हैं। टेक्सास रिपब्लिकन को इसका बड़ा फायदा मिल सकता है। डेमोक्रेट और कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम 2028 के राष्ट्रपति पद के संभावित दावेदार हैं। उन्होंने टेक्सास में रिपब्लिकन के प्रयासों का मुकाबला करने के लिए अपने राज्य के नक्शे को फिर से बनाने का प्रस्ताव भी रखा है। डेमोक्रेटिक कांग्रेसनल कैंपेन कमेटी की अध्यक्ष प्रतिनिधि सुजैन डेलबेने ने कहा कि बहुमत खोने की आशंका से रिपब्लिकन नए-नए तरीके खोज रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में कांग्रेस संघीय सरकार की विधायी शाखा है। वह कानून बनाने का काम करती है। यह दो सदनों में बंटी है। एक है प्रतिनिधि सभा और दूसरी सीनेट।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत सपाट स्तर पर हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में थोड़ी तेजी आई, लेकिन कुछ ही मिनट बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.15 प्रतिशत और निफ्टी 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। आज प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ट्रेंट

लिमिटेड, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी लाइफ, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के शेयर 1.19 प्रतिशत से लेकर 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर श्रीराम फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, सिप्ला और बजाज ऑटो के शेयर 2.65 प्रतिशत से लेकर 1.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,401 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,495 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 906 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 22 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 16 शेयर हरे निशान में और 34 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 36.25 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 82,534.66 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक पहले 5 मिनट में ही उछल कर हरे निशान में 82,634.96 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक गिर कर 82,371.52 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद एक बार फिर खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 126.35 अंक की कमजोरी के साथ 82,444.56 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 0.80 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 25,196.60 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 25,218.95 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बनने पर निफ्टी लाल निशान में 25,127.75 अंक तक गिर गया। हालांकि इसके बाद एक बार फिर खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की स्थिति में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 43.75 अंक की कमजोरी के साथ 25,152.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 317.45 अंक यानी 0.39 प्रतिशत की मजबूती के साथ 82,570.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 113.50 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की उछाल के साथ 25,195.80 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

दिल्ली के पांच स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की शिक्षण संस्थाओं को लगातार बम से उड़ाने की धमकी दी जा रही है। आज तीसरे दिन द्वारका , वसंत विहार, लोधी कॉलोनी, हौज खास व पश्चिम विहार के पांच स्कूलों को बम से उड़ने की धमकी ई-मेल के जरिये दी गई है। इन स्कूलों से सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस, बम स्क्वॉड और दमकल विभाग के कर्मी पहुंचे और सर्च ऑपरेशन चलाया। खबर लिखे जाने तक इन स्कूलों में से कुछ में अभी तलाशी अभियान जारी है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, ई-मेल के स्रोत का पता लगाने के लिए साइबर सेल की मदद ली जा रही है। दिल्ली पुलिस ने जनता से अपील की है कि वह अफवाहों पर ध्यान न दे और शांति बनाए रखे। इससे पहले दिसंबर में भी दिल्ली के कई स्कूलों को इसी तरह के धमकी भरे ई-मेल मिले थे।

केवल पौध लगाना मात्र कार्य नहीं, पेड़ बनने तक संरक्षण जरूरी है: वन मंत्री

देहरादून : वन मंत्री सुबोध उनियाल ने बुधवार को हरेला पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि केवल पौध लगाना मात्र कार्य नहीं है, सच्ची जिम्मेदारी तब पूरी होगी जब हम लगाए गए प्रत्येक पौध को पेड़ बनने तक देखभाल करेंगे। वन मंत्री उनियाल ने कहा कि समृद्ध लोक संस्कृति, पर्यावरण और प्रकृति और पूर्वजों की सजगता का प्रतीक हरेला पर्व पर हम सब मिलकर संकल्प लें, न केवल पौधे लगाने का, बल्कि उन्हें संरक्षित करने का भी, ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ, हरित एवं संतुलित पर्यावरण प्राप्त हो सके।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्लपर्यावरण संरक्षणह्व एवं ह्लहरित भारतह्व जैसे संकल्पों से प्रेरित होकर, इस वर्ष हरेला पर्व 2025 के शुभ अवसर पर बदलती भौगोलिक परिस्थितियों एवं ग्लोबल वार्मिंग जैसे वैश्विक मुद्दों को दृष्टिगत, वन विभाग के माध्यम से एक करोड़ पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मंत्री ने बताया कि पौधों की देखरेख के लिए यह निर्णय लिया गया है कि जीआईएस तकनीक के माध्यम से लगाए गए वृक्षों की निगरानी व संरक्षण का कार्य भी किया जाएगा। इस नवाचार से वृक्षारोपण का सर्वाइवल रेट (जीवित रहने की दर) बढ़ेगा और हम पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन के प्रति अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे।

गुरुग्राम: सीईटी परीक्षा के अभ्यर्थियों को निशुल्क मिलेंगी रोडवेज बसें, सीट बुक करा लें

गुरुग्राम : सी.ई.टी. ग्रुप-सी परीक्षा देने के लिए गुरुग्राम आने वाले अभ्यर्थियों को बस अड्डा से परीक्षा केंद्र तक रोडवेज की बसों से निशुल्क पहुंचाया जाएगा। इसके लिए विभाग तैयारी कर रहा है। डिपो महाप्रबंधक का कहना है कि अभ्यर्थी परिवहन विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए लिंक पर जाकर अपनी व्यक्तिगत जानकारी भरकर अग्रिम सीट बुकिंग कर सकते हैं। सी.ई.टी. परीक्षा देने के लिए किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केन्द्र तक पहुंचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसे लेकर सरकार द्वारा परिवहन विभाग को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वह सभी जिलों से अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्रों तक नि:शुल्क बस सुविधा प्रदान करे। हरियाणा राज्य परिवहन विभाग गुरुग्राम के महाप्रबंधक भारत भूषण गोगिया ने बताया कि सरकार द्वारा गुरुग्राम सहित प्रदेश के सभी जिलों में सी.ई.टी. ग्रुप-सी के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन 26 जुलाई एवं 27 जुलाई को निर्धारित किया गया है। इस परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों को नजदीकी जिला स्तरीय बस अड्डे से परीक्षा केन्द्र तक पहुंचाने व वापिस लाने की जिम्मेदारी परिवहन विभाग को सौंपी गई है। महाप्रबंधक ने बताया कि जिला स्तरीय बस अड्डे से अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचाने एवं वापसी की व्यवस्था संबंधित परिवहन विभाग द्वारा की जाएगी। हरियाणा राज्य परिवहन द्वारा अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र तक ले जाने और वापसी के लिए नि:शुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। साथ ही, महिला अभ्यर्थियों के साथ एक पारिवारिक सदस्य को भी सहायक के रूप में नि:शुल्क यात्रा की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा के सुबह के सत्र के लिए समय प्रात: 10:00 बजे से 11:45 बजे तथा सायंकालीन सत्र के लिए 15:00 बजे से 16:45 बजे निर्धारित किया गया है। राज्य परिवहन द्वारा प्रात:कालीन सत्र के लिए सुबह 07:30 बजे तक एवं सायं सत्र के लिए दोपहर 12:30 बजे तक अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्रों के निकटतम बस अड्डों तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी। परीक्षा केन्द्रों के निकटतम बिंदुओं तक नि:शुल्क शटल बस सेवा का संचालन भी किया जाएगा। इस संपूर्ण व्यवस्था के लिए प्रतिदिन साधारण बसें प्रयोग में लाई जाएंगी। उन्होंने आमजन को भी सूचित किया कि 26 व 27 जुलाई को सी.ई.टी. परीक्षा के चलते बसों की बड़ी संख्या परीक्षा ड्यूटी में लगाई जाएगी, जिससे आम यात्रियों के लिए परिवहन सुविधा सीमित रहेगी। इसलिए इन दोनों दिनों में नागरिकों से अपील की जाती है कि वे केवल विशेष अथवा अति आवश्यक कार्यों के लिए ही यात्रा करें।

बरेली पहुंचीं महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, कई विभागों की खामियों पर जताई नाराजगी

बरेली : उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी मंगलवार को बरेली दौरे पर रहीं। इस दौरान उन्होंने किशोर गृह, 300 बेड जिला अस्पताल, वन स्टॉप सेंटर, महिला थाना और आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। जगह-जगह अव्यवस्थाएं देख उन्होंने संबंधित अफसरों को कड़ी फटकार लगाई और व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। निरीक्षण की शुरूआत उपाध्यक्ष ने राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) से की। यहां उन्होंने अपचारियों से संवाद कर उनके खाने-पीने, कपड़े और रहने की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान स्टाफ की उपस्थिति रजिस्टर भी चेक की गई। इसके बाद वे भरतौल गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचीं। यहां कार्यकत्री शोभा देवी उपस्थित मिलीं। उपाध्यक्ष ने बच्चों को मिलने वाले पोषण आहार, स्वास्थ्य सुविधाएं और साफ-सफाई को लेकर पूछताछ की। निरीक्षण के दौरान 300 बेड जिला अस्पताल में कई खामियां उजागर हुईं। परिसर में शौचालयों के बाहर पानी भरा मिला, जिसे देख उपाध्यक्ष ने नाराजगी जताई। यहां ओपीडी छोड़ बाकी सारी सेवाएं बंद मिलीं। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को साफ-सफाई और इलाज की व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। कोविड अस्पताल में संचालित विवाह पूर्व परामर्श केंद्र ह्यतेरे मेरे सपनेह्ण का भी उन्होंने दौरा किया। यहां मौजूद काउंसलर तृप्ति शुक्ला और पूजा दुबे से बातचीत की। उपाध्यक्ष ने कहा कि यह योजना लड़कियों को विवाह से पहले मानसिक रूप से तैयार करने में मदद करती है। उन्होंने इसके व्यापक प्रचार-प्रसार की बात कही। चारू चौधरी वन स्टॉप सेंटर भी पहुंचीं, जहां उन्होंने पीड़ित महिलाओं से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। उपस्थिति रजिस्टर की जांच की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। महिला थाना निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष ने महिला हेल्प डेस्क, महिला प्रकोष्ठ और महिला सम्मान कोष शाखा का जायजा लिया। यहां मौजूद 16 कर्मचारियों में से केवल एक ही ड्यूटी पर मिला। अधिकारियों ने शिफ्ट व्यवस्था का हवाला दिया, लेकिन उपाध्यक्ष ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी मोनिका राणा और महिला थाना प्रभारी परमेश्वरी भी मौजूद रहीं।

चार राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों ने किए भगवान महाकाल के दर्शन

उज्जैन : सावन के महीने में उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के दर्शन के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन पहुंच रहे हैं। मध्य प्रदेश के तीन दिवसीय प्रवास पर आए चार चारों सिक्किम, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के विधानसभा अध्यक्षों ने मंगलवार को उज्जैन पहुंचकर भगवान महाकाल के दर्शन कर पूजन-अर्चन किया। सिक्किम के विधानसभा अध्य मिंगम नोरबू, ओडिशा की सुरमा पध्ये, हिमाचल प्रदेश के कुलदीप सिंह पठानिया और राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ मंगलवार को महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। सभी ने नंदी हॉल में बैठकर करीब दो घंटे तक भगवान महाकाल का जाप किया। इसके बाद सभी ने नंदी जी का पूजन किया और फिर गर्भगृह में जाकर भगवान महाकाल के दर्शन किए। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक शिवकांत पांडेय और आशीष दुबे ने सभी सभी अध्यक्षों का स्वागत और सत्कार किया। गौरतलब है कि लोकसभा अध्यक्ष द्वारा समिति प्रणाली की समीक्षा के लिए गठित पीठासीन अधिकारियों की समिति की भोपाल में आयोजित पहली बैठक में शामिल होने के लिए सात विधानसभाओं के अध्यक्ष मध्य प्रदेश के प्रवास पर हैं।

थानों में हरियाली का संदेश दें, जिम्मेदारी को सकारात्मक रूप से निभाएं : डीआईजी

सभी थानों में पौधारोपण व स्वच्छता को अभियान बनाएं

संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू प्रक्षेत्र के डीआईजी नौशाद आलम ने थानों को केवल प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि हरियाली और स्वच्छता के प्रतीक के रूप में विकसित करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम का पूरा उपयोग करते हुए सभी थाना, पोस्ट और पिकेट परिसर को हरा-भरा और सुंदर बनाएं। डीआईजी ने इसे जिम्मेदारी के साथ-साथ एक रचनात्मक पहल बताया, जिसमें सभी थाना प्रभारी सकारात्मक भूमिका निभाएं।

अपने निर्देश में डीआईजी ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन परिसरों में पौधारोपण व स्वच्छता के अच्छे उदाहरण मिलेंगे, वहां के थाना प्रभारियों को प्रोत्साहित और सम्मानित किया जाएगा। वहीं जहां सुधार की जरूरत है, वहां सहयोगात्मक रवैये के साथ मार्गदर्शन दिया जाएगा। डीआईजी ने कहा कि किसी को दंडित करने की बजाय सबको साथ लेकर सकारात्मक बदलाव लाना हमारा उद्देश्य है। उन्होंने हर थाने को सुझाव दिया कि वन विभाग, उद्यान विभाग और स्थानीय नर्सरी से समन्वय बनाकर पौधे मंगाएं और परिसर की खाली जगह को हरियाली से भर दें। जगह नहीं होने की स्थिति में गमलों का उपयोग कर परिसर को सजाया जाए। फलदार और फूलदार पौधों को प्राथमिकता देने की बात कही गई है।डीआईजी ने स्पष्ट किया कि यह अभियान सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के रूप में देखा जाए। हर थाना परिसर समाज के लिए प्रेरणा बने, इसी भावना से काम करें। आदेश की प्रति तीनों जिलों के पुलिस अधीक्षकों को भेजते हुए हर स्तर पर सहयोग और मार्गदर्शन से कार्य को सफल बनाने का आग्रह भी किया गया है। डीआईजी नौशाद आलम ने आज अपने आवासीय परिसर में चंदन का पौधा लगाकर इसकी शुरूआत की। उन्होंने कहा कि आज सावन का पवित्र महीना का प्रथम सोमवारी है। इसलिए आज चंदन का पौधा लगाकर इस अभियान की शुरूआत की गई है।

कई प्रतिष्ठानों से खाद्य सामग्री के सैंपल जब्त

संवाददाता

गुमला : गुमला जिला में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी लव कुमार गुप्ता ने किया। निरीक्षण चैनपुर बस स्टैंड, एमएलए रोड और कुरुमगढ़ रोड स्थित विभिन्न प्रतिष्ठानों में किया गया।

निरीक्षण के क्रम में निम्नलिखित प्रतिष्ठानों से खाद्य सामग्री के सैंपल एकत्र किए गए, जिन्हें जांच हेतु प्रयोगशाला भेजा गयाः

महावीर होटल से रसगुल्ला

अजीत जनेरल स्टोर से मधुसूदन घी

विनीत किराना स्टोर से आधुनिक हल्दी पाउडर

विशाल किराना स्टोर से सुपर फ्रेश हल्दी पाउडर

धाना होटल से लड्डू

निरीक्षण के दौरान उक्त खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, लेबलिंग, एक्सपायरी तिथि और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया। सभी दुकानदारों को सख्त निर्देश दिए गए किः

एक्सपायरी उत्पाद न बेचें

सभी खाद्य सामग्री पर स्पष्ट लेबलिंग करें

नियमित पेस्ट कंट्रोल कराएं

होटल - रेस्टोरेंट स्टाफ द्वारा एप्रोन, ग्लव्स और हेडगियर पहनना अनिवार्य करें

सभी कर्मचारियों का

मेडिकल परीक्षण समय-समय पर कराएं

एफएसएसएआई अधिनियम 2006 का उल्लंघन, स्वच्छता में कमी और बिना लाइसेंस संचालन के कारण निम्न प्रतिष्ठानों पर अर्थदंड लगाया गयाः

* अनिल बड़ा झ ₹2000
* अंशु अभिषेक बड़ा- ₹1000
* अजीत जनेरल स्टोरझ ₹5000
* अनुराग होटलझ ₹5000
* विनीत किराना स्टोर - ₹2000

कोटपा अधिनियम के तहत कार्रवाई, स्कूल क्षेत्र में तंबाकू उत्पाद बेचते दुकानदारों पर जुमार्ना

खाद्य सुरक्षा अभियान के साथ-साथ कोटपा अधिनियम (उडळढअ अू३) के अंतर्गत भी एक विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। इस अभियान में निषेध सलाहकार वंदना स्मिता होरो एवं कंप्यूटर ऑपरेटर प्रियांशु कुमार शामिल रहे।

अभियान के तहत स्कूल परिसरों से 100 मीटर की परिधि में आने वाले सभी दुकानों की छानबीन की गई। निरीक्षण के दौरान टोंगो स्कूल के पास स्थित निम्न दुकानों में तंबाकू युक्त उत्पाद बेचते हुए दुकानदारों को रंगे हाथ पकड़ा गयाः

तारा देवी

सुमन मिंज

अनिल बड़ा

अंशु अभिषेक बड़ा

इन सभी दुकानदारों को तंबाकू उत्पाद न बेचने की सख्त चेतावनी दी गई तथा कोटपा अधिनियम के अंतर्गत उचित जुमार्ना भी लगाया गया।

जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि खाद्य सुरक्षा एवं जनस्वास्थ्य से जुड़े मामलों में जागरूक रहें और किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना संबंधित विभाग को दें।

डीसी ने भूमि संरक्षण विभाग के योजनाओं की समीक्षा की

गुमला : गुमला जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय के कार्यालय कक्ष में उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में भूमि संरक्षण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान भूमि संरक्षण पदाधिकारी द्वारा उपायुक्त के समक्ष मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना,मिनी ट्रैक्टर एवं पंपसेट, ल्रऊए्ढ पाइप संबंधी योजनाओं के अद्यतन स्थिति की जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि उक्त सभी योजनाओं में लक्ष्य के अनुरूप आवेदन प्राप्त किए गए हैं। जिसके आधार पर लाभुकों का चयन कर उन्हें इन योजनाओं से आच्छादित किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने योजना से जुड़े अन्य और कई विषयों के बारे में भी जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024 - 2025 एवं 2025-2026 के तहत जिले के सभी प्रखंडों से अबतक 80 लाभुकों का चयन किया गया है। जिन्हें इस योजना के तहत 90 प्रतिशत अनुदान पर ट्रैक्टर वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही पंपसेट वितरण योजना के तहत लगभग 330 लाभुकों को पंपसेट का वितरण किया जाना है। इसके अलावा मिनी ट्रैक्टर एवं उसके सहायक कृषि यंत्र योजना के अंतर्गत कुल 10 लोगों को इस योजना का लाभ मिलेगा।

समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने कहा कि इस तरह की योजनाओं का लाभ किसानों को सही ढंग से मिले। जिससे कि वह अपना कृषि कार्य बेहतर एवं सुगमतापूर्वक कर सकें। सभी पात्र किसानों को इस योजना से आच्छादित करें। जिससे कृषि कार्य को और बढ़ावा मिले। उन्होंने यह भी कहा कि इन योजनाओं हेतु लाभुकों का चयन सही से हो। ताकि जरूरतमंद किसान इस योजना का लाभ ले सकें।

बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिल सहकारिता पदाधिकारी, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी,भूमि संरक्षण पदाधिकारी, डी पी डी एम, अन्य विभागीय कर्मीगण उपस्थित रहे।

अनुमंडलों में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन

संवाददाता

गुमला : गुमला उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निदेर्शानुसार गुमला जिले के सभी अनुमंडलों में आज मंगलवार को साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी बसिया, चैनपुर एवं गुमला द्वारा अपने-अपने कार्यालय कक्ष में आम नागरिकों की समस्याएं सुनी गईं और त्वरित निदान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जन शिकायत निवारण दिवस के दौरान बड़ी संख्या में नागरिकों ने अपनी व्यक्तिगत एवं सामूहिक समस्याएं अनुमंडल अधिकारियों के समक्ष रखीं। संबंधित अधिकारियों द्वारा उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

बताते चले कि उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निदेर्शानुसार जिले के सभी प्रखंडों, अंचलों एवं अनुमंडलों में नियमित रूप से जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया जा रहा है, ताकि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं को रखने के लिए जिला मुख्यालय गुमला आने की आवश्यकता न हो। स्वयं उपायुक्त भी प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को नागरिकों से प्रत्यक्ष रूप से मिल रही हैं तथा उनके मुद्दों के समाधान हेतु तत्परता से कार्य किया जा रहा है।

जन शिकायत निवारण दिवस का उद्देश्य शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित कर समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जन शिकायत निवारण दिवस को पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता से लेते हुए लोगों को न्यायसंगत समाधान उपलब्ध कराया जाए।

डुमरी सीएचसी में कुपोषण उपचार केंद्र का डीडीसी ने किया उद्घाटन

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित डुमरी प्रखंड मुख्यालय में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डुमरी में गुमला उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो के द्वारा कुपोषण उपचार केंद्र का फीता काटकर उद्घाटन किया। जिसमें समस्त अधिकारी गण एवं द हंस फाउंडेशन के राज्य अधिकारी भी उक्त उदघाटन समारोह उपस्थित थे। यह कुपोषण उपचार केंद्र स्वास्थ्य विभाग एवं द हंस फाउंडेशन के समन्वय से इसका नियमित संचालन किया जाना है। अपने संबोधन में जानकारी देते हुए राज्य प्रमुख शिशुपाल मेहता एवं प्रोजेक्ट मैनेजर स्वामी विवेकानंद ने बताया कि कुपोषण उपचार केंद्र में 0 से 5 वर्ष के अति गंभीर कुपोषित बच्चों का अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर उपचार किया जाएगा एवं

डिस्चार्ज के बाद समुदाय स्तर पर भी सभी सहिया, आंगनबाड़ी सेविका एवं एएनएम के साथ डिस्चार्ज हुए बच्चों का फॉलोअप किया जाएगा। वहीं इस एमटीसी में भर्ती हुए माताओं को तीन सौ रुपया प्रतिदिन के हिसाब से भत्ता के रूप एवं आने जाने का किराया भी देय होगा। इसके साथ ही बच्चों के विशेष आहार के मद्देनजर उपयुक्त पोषणयुक्त पौष्टिक भोजन भी दिया जाएगा। वहीं इस संबंध में उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो ने इतने सुदूरवर्ती क्षेत्र में कुपोषित बच्चों के उपचार हेतु खोले गए कुपोषण उपचार केंद्र की सराहना करते हुए कहा कि यह केंद्र कुपोषित बच्चों के लिए वरदान साबित होगा। उन्होंने एमटीसी एरिया के अंतर्गत आने वाले प्लेयिंग एरिया की भी सराहना की और कहा कि यह प्लेयिंग एरिया बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास की नींव रखने में सहायक सिद्ध होगा।

जन समस्याओं के समाधान के लिए जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन

गुमला : गुमला जिला समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी गईं तथा आवश्यक निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिए गए।घाघरा निवासी चक्रधारी सिंह वर्ष 2007 से 2017 तक बिजली विभाग में लाइनमैन के रूप में कार्यरत थे। 11 हजार वाट के पोल पर काम करने के दौरान इन्हें बिजली का करेंट लग गया था, जिससे इनका पैर क्षतिग्रस्त हो गया। जिसकी वजह से यह चलने फिरने में असमर्थ हैं। आज जन शिकायत निवारण दिवस के अवसर पर उपायुक्त के समक्ष इन्होंने बैटरी चलित तीन

पहिया साईकिल प्रदान करने का अनुरोध किया हैं , जिससे यह अपने आसपास के क्षेत्र में बिजली मिस्त्री का काम कर अपना जीवन यापन कर सकें।

रामवृक्ष उराँव का कहना है कि उत्तर प्रदेश निवासी रिंकू यादव द्वारा देवाकी गाँव के कुछ लोगों को बहला फुसलाकर ईंट भट्ट में काम करने के लिए उत्तर प्रदेश ले जाया गया। किंतु काम हो जाने के बाद इन्हें मजदूरी का भुगतान अबतक नहीं किया गया है।

मुख्यमंत्री उज्ज्वला झारखंड योजना के तहत कार्य कर रही एजेंसी लानारसि इंफ्रा प्राईवेट लि. द्वारा कर्मियों को भुगतान नहीं किये जाने की शिकायत प्राप्त हुई है। इनका कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में कंपनी द्वारा काम करवा लिया गया और पैसे का भुगतान नहीं किया जा रहा हैं ,जिससे इनकी आर्थिक स्थिति दयनीय हो गयी हैं।

जन शिकायत निवारण दिवस के अवसर पर पेंशन, राशन, आधार कार्ड से जुड़े कई मामलों का ऑन द स्पाट निपटरा किया गया। जन शिकायत निवारण दिवस के अवसर पर राशन, पेंशन, सामाजिक सुरक्षा एवं आधार कार्ड से जुड़े कई आवेदन उपायुक्त के समक्ष आए।

जन शिकायत निवारण दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 50 आवेदक अपनी समस्याओं के समाधान हेतु पहुंचे। प्राप्त आवेदनों में मुख्य रूप से भूमि विवाद,सरकारी सहायता,रोजगार,राशि, जमीन ऑनलाइन करने के सम्बन्ध में,आर्थिक सहायता स्थानांतरण,बकाया , मानदेय, अनुकंपा नियुक्ति एवं शिक्षा से जुड़ी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा।

उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जन शिकायत निवारण दिवस आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु एक सशक्त माध्यम है तथा प्रशासन सभी मुद्दों पर संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेगा।

न्यूज IN ब्रीफ

रक्तदान शिविर का आयोजन, 06 यूनिट रक्त संग्रहित

गुमला : उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निदेर्शानुसार गुमला जिले के विभिन्न प्रखंडों में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज घाघरा प्रखंड में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 06 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

शिविर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रखंड कर्मियों एवं आम नागरिकों की सहभागिता रही। मौके पर चिकित्सा टीम की निगरानी में सुरक्षित रूप से रक्त संग्रहण किया गया।

इस अवसर पर उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने जिलेवासियों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंदों की जान बचाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि ह्लरक्तदान एक महादान कार्य है। हम सभी की सामूहिक सहभागिता से ही मानव सेवा का उक्त कार्य सुनिश्चित हो सकता है , और जिले में किसी भी जरूरतमंद लोगों को समय पर त्वरित रक्त (खून - ब्लड) उपलब्ध कराया जा सकता हैं।

उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि अपने-अपने प्रखंड में जन-जागरूकता के माध्यम से ऐसे शिविरों का आयोजन नियमित रूप से करें, ताकि जिले में रक्त की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे।

बिशुनपुर एवं घाघरा अंचल कार्यालय में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन

गुमला : गुमला उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निदेर्शानुसार जिले के विभिन्न अंचलों में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है। इसी क्रम में आज मंगलवार को अंचल कार्यालय बिशुनपुर एवं अंचल कार्यालय घाघरा में जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें नागरिकों की विभिन्न समस्याएं सुनी गईं और उनके निवारण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की गई।

उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जन शिकायत निवारण दिवस को गंभीरता से लेते हुए प्राप्त आवेदनों का शीघ्र एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करें, ताकि आम जनता को समय पर लाभ मिल सके और उन्हें जिला मुख्यालय गुमला तक आने की आवश्यकता न पड़े।

जिप उपाध्यक्ष ने बिरहोर टोला मे किया बीज वितरण

लातेहार : कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के द्वारा बिरसा फसल विस्तार योजना के अंतर्गत बीज वितरण का कार्यक्रम झाबर के बिरहोर टोला मे किया गया जिसमे जिप उपाध्यक्ष अनीता देवी ने बिरहोर टोला के लोगो के बीच उरद के बीज का वितरण किया । बिरहोर टोला के लोगों का कहना की ऐसा पहली बार हुआ है कि हम लोगो के बीच खुद विभाग के लोगों के द्वारा बीज का वितरण किया गया हो ' इस पहल के लिए बिरहोर टोला के ग्रामीणो ने जिप उपाध्यक्ष अनीता देवी का आभार व्यक्त किया है।

विद्यालयों में पेयजल व शौचालय की व्यवस्था करने का निर्देश

रामगढ़ : जिले में शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा मंगलवार को उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज ने की।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन का यह लक्ष्य है कि रामगढ़ जिले में शत प्रतिशत कार्यात्मक साक्षरता प्राप्त किया जाए। इसके लिए उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी को बृहद रूप से सर्वे कर फ्लोचार्ट तैयार करने एवं प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने मध्याह्न भोजन अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उनके द्वारा निर्धारित रोस्टर के अनुरूप बच्चों को मध्यान भोजन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। मध्याह्न भोजन अंतर्गत कार्यरत रसोइयों का आयुष्मान कार्ड व पेंशन संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। वहीं शेष बचे रसोइयों का आयुष्मान कार्ड बनवाने व उनके पेंशन शुरू करने को लेकर बीडीओ के साथ समन्वय करने को कहा गया। विद्यालयों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं यथा पेयजल, शौचालय आदि की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने जिन विद्यालयों में जलापूर्ति की उपलब्धता नहीं है उन्हें चिन्हित कर कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल से समन्वय करते हुए तत्काल रूप से कार्य करने एवं जल्द से जल्द सभी विद्यालयों में जलापूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा बच्चों के बीच किताबें, यूनिफॉर्म, स्कूल बैग आदि उपलब्ध कराने के तहत अब तक हुए कार्यों की समीक्षा करते हुए शेष बचे बच्चों की जानकारी जिला शिक्षा पदाधिकारी से ली जिस पर जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि बैंक अकाउंट नहीं होने के कारण शेष बच्चों को सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है। इस पर उपायुक्त ने शिविर आयोजित करते हुए संबंधित विभागों के साथ समन्वय करने एवं सभी बच्चों का खाता बैंक में खुलवाने का निर्देश दिया।

इन सबके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम, बैक टू स्कूल अभियान, छात्रवृत्ति खेलो झारखंड, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, प्रखंड स्तरीय आदर्श विद्यालय आदि की भी समीक्षा करते हुए सफल संचालन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

बैठक में उप विकास आयुक्त, जिला शिक्षा पदाधिकारी, क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सहित